बांसुरी नगरी

कलम से सत्यता की ओर

RNI.NO-UPHIN/2023/88833

वर्ष– 02 अंक –03 | पीलीभीत से प्रकाशित

मूल्य–2 रूपये पृष्ठ–08 | गुरुवार 28 नवम्बर 2024

अमित शाह करेंगे महाराष्ट्र के नए सीएम के नाम पर फैसला

शिवसेना शिंदे, राकांपा अजित पवार और भाजपा की बड़ी बैठक आज
देवेंद्र फडणवीस का सीएम बनना लगभग तय

नई दिल्ली । पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महायुति गठबंधन गुरुवार को अगली महाराष्ट्र सरकार और मुख्यमंत्री पर फैसला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि तीन सहयोगी दल शिवसेना शिंदे, राकांपा अजित पवार और भाजपा– इस मामले पर चर्चा के लिए गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में बैठक करेंगे। बताया जा रहा है कि अमित शाह के साथ ये बैठक होगी। कार्यवाहक सीएम ने ठाणे में अपने घर पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आपके मन में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि बीजेपी जो भी फैसला करेगी, शिवसेना उसका समर्थन करती है, कल हम दिल्ली में अमित शाह के साथ सरकार गठन पर फैसला करेंगे।

कई दिनों के राजनीतिक सस्पेंस के बाद, एकनाथ शिंदे ने बुधवार को देवेंद्र फडणवीस के लिए राज्य का अगला नेता बनने का रास्ता साफ कर दिया। महाराष्ट्र भाजपा द्वारा देवेन्द्र फडणवीस पर जोर देने के बावजूद, गठबंधन ने सीएम चयन पर औपचारिक घोषणा में देरी की है, गठबंधन सद्भाव बनाए रखने के लिए शिंदे को शामिल करने की मांग की है।

इस बीच शिंदे ने राज्यपाल सी. पी. से मुलाकात की। राधाकृष्णन ने मंगलवार सुबह राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद अपना इस्तीफा सौंप दिया। राज्यपाल ने अनुरोध किया कि शिंदे नए मुख्यमंत्री के शपथ लेने तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका में बने रहें।

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के नाम पर कई दिनों से चल रहे सस्पेंस को खत्म करते हुए कार्यवाहक–सीएम एकनाथ शिंदे ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और खुद को सीएम की दौड़ से बाहर कर दिया। इसके साथ ही देवेंद्र फडणवीस का सीएम बनना लगभग तय हो गया है। उन्होंने प्रचंड जीत के लिए राज्य की जनता को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो किसी भी पद या स्थिति के लिए परेशान होंगे। उन्होंने सीएम पद छोड़ने का बड़ा संकेत देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके लिए जो भी फैसला करेंगे, वह उससे सहमत होंगे।

एक नजर

अब सोशल मीडिया पर नहीं डलेगा अश्लील कंटेंट, सरकार कर रही है बड़ी तैयारी

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री की जांच के लिए कानूनों के बारे में बात की। उन्होंने अपमानजनक सामग्री की जांच के लिए कानूनों के संबंध में लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा सदस्य अरुण गोविल द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति और उन देशों की संस्कृति में बहुत अंतर है जहां से ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आए हैं। इसलिए मैं चाहूंगा कि संसद की स्थायी समिति इस मुद्दे को उठाए और इस पर सख्त कानून बने। अडानी विवाद, उत्तर प्रदेश के संभल में हाल की हिंसा और अन्य मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राहुल गांधी ने फिर साधा भाजपा पर निशाना

अडानी रिश्वत मामला बुधवार को संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह गूंजा, जब दो वरिष्ठ वकीलों ने अडानी समूह के अध्यक्ष के खिलाफ अमेरिकी आरोपों में छेद करने का प्रयास किया, जिसके बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कई विपक्षी नेताओं द्वारा रिश्वत मामले पर चर्चा के लिए नोटिस दिए जाने के बाद संसद में हंगामा देखने को मिला, जिसके चलते दोनों सदनों को स्थगित कर दिया गया और अन्य सभी कामकाज निलंबित कर दिए गए। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अडानी की गिरफ्तारी के लिए अपना आह्वान दोहराया और कहा कि उद्योगपति अमेरिकी अभियोजकों द्वारा उल्लिखित आरोपों को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। लोकसभा एलओपी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि क्या आपको लगता है कि अडानी आरोप स्वीकार करेंगे? जाहिर है, वह आरोपों से इनकार करेंगे। मुद्दा यह है कि उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

कैलाश गहलोत ने दिल्ली विधानसभा की सदस्यता से दिया इस्तीफा, कुछ दिन पहले छोड़ी थी आप

एजेंसी

आम आदमी पार्टी (आप) के नेता कैलाश गहलोत ने पार्टी छोड़कर

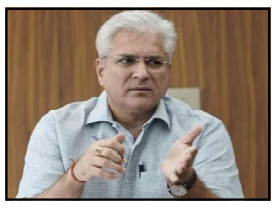

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के बाद बुधवार को दिल्ली विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। गहलोत ने विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल को अपना इस्तीफा सौंपा। त्यागपत्र में क्या कहा? अपने त्यागपत्र में उन्होंने कहा, ष्जैसा कि आप जानते होंगे, मैंने 17 नवंबर को दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उसी दिन मैंने आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया था। इसका मुख्य कारण यह था कि आप अपने नैतिक मूल्यों से भटकने लगी थी, जिससे मेरे लिए पार्टी में बने रहना मुश्किल हो गया था। उन्होंने कहा, मैं दिल्ली विधानसभा से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। कैलाश गहलोत ने दिल्ली के परिवहन मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और 17 नवंबर को आप छोड़ दी और अगले दिन भाजपा में शामिल हो गए। 23 नवंबर को, उन्हें पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व की मंजूरी से दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव समन्वय समिति का सदस्य नियुक्त किया गया था। गहलोत ने शुक्रवार को केंद्रीय य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की और अगले साल की शुरुआत में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा की। भाजपा में शामिल होने के बाद, गहलोत ने पार्टी के मूल्यों और सिद्धांतों के ध्रीरे–धीरे कमजोर पड़ने का हवाला देते हुए आप छोड़ने के अपने फैसले को स्पष्ट किया।एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, यह रातोंरात नहीं होता है कुछ चीजों को समझने में समय लगता है। मैंने बार–बार कहा है कि हम कुछ मूल्यों और सिद्धांतों से जुड़े हुए हैं।

सीएम नहीं, कॉमन मैन बनकर किया काम, शिंदे बोले– मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं, मोदी–शाह का हर फैसला मंजूर

एजेंसी

महाराष्ट्र । सीएम पद को लेकर सस्पेंस के बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री और

शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने आज थाणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इतनी बड़ी जनादेश के लिए महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि लोगों ने महायुती को विकास के काम के लिए अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि जो काम महा विकास आघाडी ने रोक दिया था, उसे हमने फिर से शुरू किया और इसी वजह से जनता का समर्थन हमें हासिल हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने भी जबरदस्त मेहनत की। उन्होंने कहा कि मैं चीफ मिनिस्टर नहीं, बल्कि एक कॉमन मैन बनकर काम किया। आम लोगों को जहां–जहां प्रॉब्लम होती है, उसको हमने समझने के बाद काम किया। शिंदे ने साफ तौर पर कहा कि मैं कभी अपने आप को सीएम नहीं समझा। हमने आम आदमी बनकर काम किया। यही कारण है कि हमने तमाम बड़ी योजनाओं पर काम किया। हम लाड़की बहन योजना लेकर आए। हमने परिवार के हर सदस्य को सरकार की ओर से कुछ ना कुछ देने का काम किया। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह का पूरा समर्थन था। दोनों ने हमें जनता के लिए काम करने को कहा था और हमने किया। उन्होंने हमें मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी और मैं हर क्षण जनता के लिए काम किया। हमने केंद्र की मदद से राज्य की प्रगति के स्तर को बढ़ाया।

शिंदे ने कहा कि लाडकी बहनों का मैं लाडका भाई हूं। उन्होंने हमें चुनाव के समय याद रखा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम मिलकर काम करने वाले लोग हैं। कौन कहां गया, क्या हुआ, इस पर हम चर्चा नहीं करते हैं। हमने महाराष्ट्र को एक नंबर बनाने का काम किया। प्रध ानमंत्री हमारे साथ चट्टान की तरह खड़े रहे। मेरे लिए मेरा ढाई साल ऐतिहासिक रहा है। उन्होंने दावा किया कि मैं जो भी काम करूंगा, वह महाराष्ट्र की जनता के लिए करूंगा।

ब्ड के नाम के ऐलान में देरी पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कसा तंज

एजेंसी

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बुधवार को विपक्ष से सवाल किया कि अगर निर्णय हो गया तो उन्हें देवेंद्र फडणवीस के नाम की घोषणा करने से कौन रोक रहा है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि अगर देवेन्द्र फडणवीस का नाम फाइनल हो गया है तो जल्दी घोषणा करेंय आपको क्या रोक रहा है? आप महाराष्ट्र की जनता से किए गए वादों से उन्हें वंचित क्यों कर रहे हैं,

उन्हें दूर क्यों रख रहे हैं और महाराष्ट्र के स्टीयरिंग संकट को क्यों नजरअंदाज कर रहे हैं? भाजपा पर वार करते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने ने कहा कि वे सत्ता के इतने भूखे हैं। चुनाव आए कई दिन हो गए हैं और अभी तक नतीजे घोषित नहीं हुए हैं। इसके अलावा, उन्होंने सवाल किया कि क्या ईवीएम का इस्तेमाल विजेता घोषित करने के लिए निकाले गए और गिने गए वोटों की संख्या में छेड़छाड़ करने के माध यम के रूप में किया जा रहा है।

देवेंद्र फडणवीस का सीएम बनना लगभग तय, एकनाथ शिंदे ने खुद को दौड़ से किया बाहर

एजेंसी

महाराष्ट्र । मुख्यमंत्री के नाम पर कई दिनों से चल रहे सस्पेंस को खत्म करते हुए कार्यवाहक–सीएम एकनाथ शिंदे ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और खुद को सीएम की दौड़ से बाहर कर दिया। इसके साथ ही देवेंद्र फडणवीस का सीएम बनना लगभग तय हो गया है। उन्होंने प्रचंड जीत के लिए राज्य की जनता को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो किसी भी पद या स्थिति के लिए परेशान होंगे। उन्होंने सीएम पद छोड़ने का बड़ा संकेत देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके लिए जो भी फैसला करेंगे, वह उससे सहमत होंगे। महायुति ने चुनावों में भारी जीत हासिल की और 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें हासिल कीं। उन्होंने कहा कि मैं न तो परेशान हूं, न ही नाराज हूं। पिछले दो–चार दिनों से आपने ऐसी अफवाहें देखी होंगी कि कोई नाराज है। हम नाराज होने वाले लोग नहीं हैं। मैंने कल प्रधानमंत्री से बात की और उन्हें

बताया कि महाराष्ट्र में सरकार बनाने में हमारी ओर से कोई बाधा नहीं है। आप निर्णय लें। बीजेपी का फैसला अंतिम है। एनडीए का नेता कौन है? पीएम मोदी और एचएम अमित शाह। इसलिए मैंने उन दोनों को फोन किया कि महाराष्ट्र में सरकार बनाने में हमारी तरफ से कोई दिक्कत नहीं है। आप निर्णय लें और हम निर्णय स्वीकार करेंगे। बीजेपी के वरिष्ठ नेता सीएम पद को लेकर जो भी फैसला लेंगे, उनके उम्मीदवार को शिवसेना पूरा समर्थन देगी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंध न को भारी जीत दिलाने के बाद, मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार के रूप में देखे जा रहे वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक के लिए सोमवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। लोकसभा चुनाव में पराजय के बाद महाराष्ट्र में भाजपा की कायापलट का श्रेय जाने वाले देवेन्द्र फडणवीस पहले ही भाजपा आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली रवाना हो चुके हैं। शिवसेना के एकनाथ शिंदे और एनसीपी के अजित पवार के भी राजधानी के लिए रवाना होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री मोदी 29 नवंबर को भुवनेश्वर में रोड शो करेंगे

एजेंसी

भुवनेश्वर । प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी शुक्रवार को भुवनेश्वर में बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट एक रोड शो करने बाद एक सभा को संबोधित भी कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सामल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 29 नवंबर को शाम करीब सवा चार बजे भुवनेश्वर पहुंचेंगे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा, जिसके बाद वह हवाई अड्डे के निकट एक सभा को संबोधित कर सकते हैं।

सामल ने बताया कि प्रधानमंत्री हवाई अड्डा के पास से राजभवन चौराहे तक रोड शो करेंगे। प्रधानमंत्री पुलिस

महानिदेशकों और पुलिस महानिरीक्षकों के अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए तीन दिवसीय दौरे पर ओडिशा आ रहे हैं।

यह कार्यक्रम 29, 30 नवंबर और एक दिसंबर को भुवनेश्वर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत कुमार डोभाल भी शामिल होंगे। सामल ने बताया कि शहर में अपने प्रवास के दौरान मोदी भुवनेश्वर में स्थित पार्टी कार्यालय में पार्टी सांसदों, विधायकों और पदाधि ाकारियों की बैठक में भाग लेंगे।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू ने दिल्ली में व्यापार मेले का दौरा किया

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) का दौरा किया और वहां प्रदर्शित राज्य के विभिन्न उत्पादों का जायजा लिया। आईआईटीएफ 14 नवंबर को शुरू हुआ और 27 नवंबर को समाप्त होगा। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश राज्य हस्तशिल्प एवं हथकरघा निगम तथा विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए सभी 16 स्टालों का दौरा किया।मेले में हिम–ईरा और हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एचपीएमसी) ने स्टाल पर बागवानी एवं कृषि उत्पादों, हिमाचल के शहद, शॉल, हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों का प्रदर्शन किया। सुक्खू ने राष्ट्रीय राजधानी में हिमाचल प्रदेश के उत्कृष्ट उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए उद्योग विभाग के प्रयासों की सराहना की।

ईवीएम पर सवाल उठाने के बजाय अपनी हार स्वीकार कर आत्मचिंतन करना चाहिए : बावनकुले

एजेंसी

नागपुर । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि विपक्षी दलों कोइलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठाने के बजाय विधानसभा चुनावों में अपनी हार स्वीकार करनी चाहिए और आत्मचिंतन करना चाहिए। बावनकुले ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि विपक्ष ईवीएम के मुद्दे पर झूठ बोल रहा है। विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) के घटक दलों ने चुनाव के दौरान ईवीएम में छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। इस संदर्भ में बावनकुले ने सवाल किया कि जब इस साल लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था तब उन्होंने ईवीएम पर सवाल क्यों नहीं उठाया। उन्होंने सवाल किया, ''कांग्रेस ने नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव में जीत दर्ज की हैय तो क्या नांदेड में ईवीएम सही थी?'' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, ''ये सब सिर्फ झूठ है...उन्हें अपनी हार स्वीकार करनी चाहिए और आत्मचिंतन करना चाहिए। हमने लोकसभा चुनाव (महाराष्ट्र में) हारने के बाद आत्मचिंतन किया और आगे बढ़े। हमने बूथ स्तर पर काम किया और लोगों से मिले। इस बार (विधानसभा चुनावों में) हमारा वोट प्रतिशत बढ़ा है।'' उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा), शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) और कांग्रेस के घटक वाले एमवीए ने आम चुनावों में महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट में से 30 पर जीत दर्ज की थी ।

अजमेर दरगाह में हिंदू मंदिर होने का दावा! अदालत ने स्वीकार की हिंदू पक्ष की याचिका

दरगाह की जमीन पर पहले भगवान शिव का मंदिर था
याचिका में हर विलास शारदा द्वारा लिखी पुस्तक का हवाला

एजेंसी

अजमेर । ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में हिंदू शिव मंदिर होने के दावे का वाद बुधवार को न्यायालय ने स्वीकार करते हुए पक्षकारों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। दिल्ली निवासी हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष वादी विष्णु गुप्ता ने विभिन्न साक्ष्य के आधार पर अजमेर दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा पेश किया था। बता दें कि मामले में कल यानी मंगलवार को भी सुनवाई हुई थी। आज भी न्यायालय में सुनवाई हुई और न्यायालय ने वाद को स्वीकार करते हुए दरगाह कमेटी, अल्पसंख्यक मामलात व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण धरोहर को नोटिस जारी करने के आदेश जारी करने

का फैसला दिया है। वादी विष्णु गुप्ता की ओर से हरदयाल शारदा की ओर से लिखी पुस्तक का हवाला देते हुए वाद प्रस्तुत किया गया था, जिसमें उन्होंने अजमेर की दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 20 दिसंबर 2024 को की जाएगी।

हिंदू पक्ष का दावा... दरगाह की जमीन पर पहले भगवान शिव का मंदिर था मंदिर में पूजा और जलाभिषेक होता था याचिका में अजमेर निवासी हर विलास शारदा द्वारा वर्ष 1911 में लिखी पुस्तक का हवाला

पुस्तक में दरगाह के स्थान पर मंदिर का जिक्र

दरगाह परिसर में मौजूद 75 फीट लंबे बुलंद दरवाजे के निर्माण में मंदिर के मलबे के अंश

तहखाने में गर्भगृह होने का प्रमाण बताते चलें, इससे पहले हिंदू सेना की तरफ से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष याचिका पेश की गई थी।

हालांकि, न्यायाधीश प्रीतम सिंह ने ये कहकर सुनवाई से इनकार कर दिया था कि यह उनके क्षेत्राधि ाकार से बाहर है। इसके बाद जिला अदालत में याचिका पेश की गई।

पत्थरबाजों-उपद्रवियों पर योगी सरकार सख्त, लगेंगे पोस्टर, होगी वसूली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल में हुए बवाल के बाद योगी सरकार अपराधियों और उपद्रवियों के खिलाफ कड़ा कदम उठा सकती है। अब प्रदेश में पत्थरबाजों और उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, प्रदेश की योगी सरकार सार्वजनिक स्थानों पर पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर लगाएगी और उनसे वसूली भी करेगी। यूपी की योगी सरकार पूर्व में उपद्रवियों और अपराधियों के खिलाफ नुकसान की वसूली और पोस्टर का अध्यादेश जारी कर चुकी है।

यानि स्पष्ट है कि उपद्रवियों से सरकार को हुए नुकसान की वसूली की जाएगी। अपराधियों की वजह से किसी भी सार्वजनिक संपत्ति को हुए की भरपाई कराई जाएगी। इसके अलावा, सरकार ने यह भी कहा है कि इन अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में मदद करने वालों को इनाम भी दिया जाएगा। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पहले ही उपद्रवियों और अपराधियों के खिलाफ नुकसान की वसूली और उनके पोस्टर सार्वजनिक स्थानों पर लगाने के लिए अध्यादेश जारी किया था। इस फैसले के तहत, उन अपराधियों की पहचान सार्वजनिक की जाएगी, जिन्होंने राज्य में हिंसा या उपद्रव किया हो, ताकि उन्हें समाज से बहिष्कृत किया जा सके और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। बता दें कि बीते दिनों उत्तर प्रदेश के संभल में स्थित मस्जिद में सर्वे के दौरान हुए पथराव किया गया था। पत्थरबाजी का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कई युवक पुलिस पर पथराव कर रहे हैं। युवकों ने अपना मुंह कपड़े से ढक रखा है, ताकि पुलिस में उनकी पहचान न हो सके। वीडियो में कई लोग हाथों में पत्थर लिए दिख रहे हैं। ये पत्थर वे लोग पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर फेंक रहे हैं। यह लोग एक के बाद एक लगातार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर ईंट, पत्थर सहित तमाम चीजें बरसाते दिख रहे हैं। संभल हिंसा मामले में 20 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

लखनऊ निगम कार्यालय से अपर नगर आयुक्त नदारद, कर्मचारियों की कुर्सी खाली मिलीय महापौर बोलीं– कार्रवाई की जाएगी

लखनऊ। यह आम शिकायतें रहती है कि नगर निगम के अधिकारी समय पर दफ्तर नहीं पहुंचते हैं। दोपहर से लेकर शाम तक वे कमरों में नजर नहीं आते हैं। ऐसे में फरियादियों को बैरंग होना पड़ता है।

लगातार मिल रही शिकायतों के बाद इसकी हकीकत जानने के लिए महापौर सुषमा खर्कवाल बुधवार सुबह 11 बजे ही नगर निगम मुख्यालय पहुंच गईं, जहां अधिकांश अधिकारी अपने कमरों से गायब मिले।

महापौर जब निगम कार्यालय पहुंचीं तो सीटों पर कर्मचारी बैठे नहीं मिले। इतना ही नहीं, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद राव और मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ही अपने कमरे में नजर आए। साथ ही अन्य अपर नगर आयुक्त, मुख्य वित्त लेखा धिकारी समेत जोनल अधिकारी भी कमरे में नजर नहीं आए।

महापौर ने अधिकारियों की कुर्सी खाली पाई

महापौर हर कमरे में पहुंचीं और वहां अधिकारी की कुर्सी को खाली पाया। इतना ही नहीं, कमरों में लिपिक से लेकर अन्य कर्मचारी भी सीट पर नजर नहीं आए तो वहां काम कराने आए लोग भटकते दिखे। महापौर ने गैर हाजिर अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची तैयार कर तलब की है और नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह से कार्रवाई करने को कहा। महापौर अपने साथ ही उपस्थिति रजिस्टर भी साथ ले गईं। महापौर ने अधिकारियों को लगाई फटकार

महापौर ने कहा, सुबह दस बजे तक अधिकारियों व कर्मचारियों को दफ्तर पहुंच जाना चाहिए, लेकिन ऐसा न होने से नगर निगम में काम कराने आने वाले लोगों को भटकना पड़ता है। महापौर ने बताया कि यह लगातार शिकायतें मिल रही थी कि लालबाग नगर निगम मुख्यालय दफ्तर में अधिकारी और कर्मचारी समय पर नहीं आते हैं, जिससे काम कराने आए लोगों को इंतजार के बाद वापस होना पड़ता है।

दोपहर में ही खाली हो जाता है नगर निगम

बता दें कि नगर निगम के अधिकारी दोपहर में दफ्तर से गायब हो जाते हैं। कुछ मीटिंग में होने की बात कहते हैं तो कुछ जनता से बचने के लिए दूसरे कार्यालय में बैठ जाते हैं। ऐसे में अलग–अलग कार्यों के लिए आने वाले शहरवासियों को भटकना पड़ता है।

न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा : अखिलेश यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वेक्षण को लेकर हुई हिंसा व आगजनी के बाद सियासी बयानबाजी कम होने का नाम नहीं ले रही है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक कटिंग के माध्यम से संभल हिंसा के पीड़ित के बयान के साथ लिखा कि न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से संभल हिंसा के पीड़ित के बयान को पोस्ट किया और लिखा कि किसी को धमकाकर कोरे कागज पर अंगूठा लगवाना भी गुनाह है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय तत्काल संज्ञान ले और दोषी शासन–प्रशासन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करके, इस घटना के लिए जिम्मेदार सभी को सजा दे। न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा।

इसके पहले सपा मुखिया ने पत्रकारों से बातचीत में संभल हिंसा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि जामा मस्जिद में दोबारा सर्वे का काम क्यों किया? उन्होंने कहा कि मैं भी संभल जाऊंगा। संभल जाने से क्यों रोका जा रहा है। संभल का हाल जानना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि संभल में न्याय नहीं मिल रहा है। हम संविधान का सम्मान करते हैं। हम संविधान का उत्सव कैसे मनाएं? उत्सव ढोंग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान को नहीं मानती है।

उधर,संभल में हिंसा के बाद अब हालात सामान्य हो रहे हैं। बाजार खुल गए हैं। स्कूल भी खुले। हिंसाग्रस्त इलाके में पुलिस बल तैनात है। कड़ी निगरानी की जा रही है। पुलिस अब भी संभल बवाल से जुड़े मामलों में सतर्कता बरत रही है। वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है।

हम 2 दिसंबर को अपनी टीम के साथ संभल जाकर स्थिति का आकलन करेंगे : अजय राय

वाराणसी। संभल में मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा के बाद समाजवादी पार्टी के डेलिगेशन को वहां जाने से प्रशासन ने रोक दिया है। इस पर कांग्रेस नेता अजय राय ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "अभी तक संभल के जिला मजिस्ट्रेट ने एक तारीख तक रोक लगा रखी है, और मुझे पूरी उम्मीद है कि हम सभी इस पर जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं। मैंने भी अपने स्तर पर यह कहा है कि 2 दिसंबर को हम सभी लोग, हमारी पूरी टीम, और हमारी कानूनी टीम वहां जाएगी, ताकि हम तथ्य जांचने के लिए वहां की स्थिति का आकलन कर सकें। हमारी कानूनी सेल इस बारे में पूरी जानकारी इकट्ठा करेगी और रिपोर्ट तैयार करेगी।" उन्होंने आगे कहा, "अगर आप देखें, तो जिस तरह से उनके द्वारा भेजे गए जांच दल ने वहां जाकर नारेबाजी की, यह दर्शाता है कि वे किस तरह से उकसाने वाले नारों का इस्तेमाल कर रहे थे। यह दिखाता है कि भारतीय जनता पार्टी नफरत की राजनीति कर रही है और ऐसे माहौल को बढ़ावा दे रही है।" अंत में उन्होंने संविधान दिवस पर कहा, "आज संविधान दिवस भी है, और इस दिन का महत्व यह है कि हम संविधान की रक्षा के लिए कृतसंकल्प हैं। हमारे नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, और हम सभी इसके लिए प्रतिबद्ध हैं कि हम संविधान की रक्षा के लिए किसी भी कुर्बानी को देने को तैयार हैं। भाजपा यह आरोप लगाती है कि राहुल गांधी हमेशा संविधान की प्रति लेकर चलते हैं, लेकिन हम यह स्पष्ट कर चुके हैं कि संविधान की रक्षा और उसकी मजबूती के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। आज संविधान दिवस के अवसर पर देशभर में कार्यक्रम हो रहे हैं, और आपने देखा होगा कि संविधान की प्रस्तावना भी पढ़ी गई। हमारे कार्यकर्ताओं ने संविधान की प्रति पढ़ी और बाबा साहब अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान की रक्षा के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं।"

संविधान का गला घोंटने वाले संविधान बचाने का ढिंढोरा पीठ रहे, प्रयागराज में बोले सीएम योगी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के अगले दिन परोक्ष रूप से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने का काम किया था, आज वे लोग संविधान बचाने का ठेका लेकर ढिंढोरा पीट रहे हैं।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने यहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 136वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा, "संविधान की मूल प्रति में कहीं भी पंथ निरपेक्ष और समाजवादी शब्द नहीं है। कहीं भी ये दो शब्द नहीं हैं। ये शब्द तब जोड़े गए जब संसद भंग थी, न्यायपालिका के अधिकार शून्य कर दिए गए थे। लोकतंत्र पर कुठाराघात हुआ था।" योगी आदित्यनाथ ने कहा, "जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने का काम किया था, आज वे लोग ढिंढोरा पीट रहे हैं कि संविधान खतरे में है, लोकतंत्र खतरे में है। प्रश्न उठता है कि समाज इन लोगों को मूल्यांकन कब करेगा जो स्वयं लोकतंत्र के लिए खतरा हैं।"

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, "इन्होंने संविधान में छेड़छाड़ करने का कुत्सित प्रयास ही नहीं किया, बल्कि लोकतंत्र को पूरी तरह से पंगु बनाने का प्रयास किया। भारतीय मनीषियों ने धर्म को उपासना का पर्याय कभी नहीं बनाया था। धर्म की बहुत विराट परिभाषा है।" मुख्यमंत्री ने कहा, "भारत का संविधान कर्तव्य, सदाचार और नैतिक मूल्यों का प्रवाह है जिस पर व्यक्ति और समाज का जीवन टिका है, वही धर्म है। भारतीय मनीषियों ने धर्म को संकीर्ण करके किसी दायरे में कभी नहीं रखा।"

उन्होंने कहा, "आज इन युवाओं के आदर्श कौन हों.. समाजवाद के नाम पर परिवारवाद की चाटुकारिता करने वाले? आखिर क्या कहा था राम मनोहर लोहिया ने? सच्चा समाजवादी वह है जो संपत्ति के मोह से दूर हटकर काम कर सके। क्या ये लोग (सपा के लोग) संपत्ति के बगैर रह पा रहे हैं या एक परिवार का गुलाम बनकर उनकी चाटुकारिता कर रहे हैं?"

योगी आदित्यनाथ ने कहा, "आखिर जय प्रकाश नारायण, नरेंद्र देव आचार्य, डाक्टर राम मनोहर लोहिया का आदर्श कहां चला गया। देश के अंदर रामायण मेलों की शुरुआत डाक्टर राम मनोहर लोहिया ने की थी। आज युवाओं को सुभाष चंद्र बोस जैसे महान लोगों के उद्घोष के बारे में सोचना होगा।"

मुख्यमंत्री ने दीक्षांत समारोह में प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि और इस विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्र कुमार विश्वास को मानद उपाधि से सम्मानित किया। उन्होंने साथ ही आठ विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें सात छात्राएं शामिल थीं।

दीक्षांत समारोह में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आशीष कुमार चौहान विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इनके अलावा, कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल, महापौर गणेश केसरवानी सहित कई विधायक, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 में उत्तीर्ण हुए कुल 144 छात्र छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं।

सीएम योगी ने बाराबंकी सड़क हादसे का लिया संज्ञान, मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बाराबंकी में हुए एक सड़क हादसे का संज्ञान लिया। उन्होंने घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

सीएम योगी ने अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया और घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के आदेश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को इस दुर्घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने घायलों को अस्पताल पहुंचाकर उनकी उचित देखभाल सुनिश्चित करने की भी बात कही और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कन्नौज में लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे पर हुए भीषण सड़क हादसे का भी संज्ञान लिया था। इस दुर्घटना में सैफई मेडिकल कॉलेज के पांच डॉक्टरों की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के उपचार के लिए आवश्यक निर्देश दिए थे।

कन्नौज में यह हादसा बुधवार तड़के करीब 4 बजे हुआ। कंट्रोल रूम से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार, हादसे में शामिल स्कॉर्पियो कार आगरा की दिशा से लखनऊ जा रही थी। इसी दौरान कार के चालक को नींद आ गई और गाड़ी ने डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी दिशा में प्रवेश कर लिया। इसके बाद, कार एक ट्रक से टकरा गई। इस टक्कर के कारण कार के परखच्चे उड़ गए, जिससे मौके पर ही पांच लोगों की जान चली गई। हादसे के बाद कार में चीख–पुकार मच गई, और पास से गुजर रहे लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत कार्य शुरू किया। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग सैफई मेडिकल कॉलेज के पीजी डॉक्टर थे और वे किसी शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे थे।

झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड में सरकार का बड़ा एक्शन, प्राचार्य हटाए गए...तीन कर्मी निलंबित

लखनऊ। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की नवजात सघन देखभाल इकाई (एनआईसीयू) में हाल में लगी आग में 10 बच्चों की मौत के मामले में सरकार ने कार्रवाई करते हुए तीन कर्मियों को निलंबित कर दिया और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को हटा दिया। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक यह कार्रवाई प्रदेश के उप–मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर गठित चार सदस्यीय समिति की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गयी है। बयान के मुताबिक कार्रवाई के तहत जांच रिपोर्ट के आधार पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य नरेंद्र सिंह सेंगर को पद से हटाकर उन्हें चिकित्सा शिक्षा विभाग के महानिदेशालय से संबद्ध किया गया है। इसके साथ ही कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सचिन माहुर को आरोपपत्र देकर जवाब मांगा गया है। इसके अलावा कॉलेज के अवर अभियन्ता (विद्युत) संजीत कुमार, एनआईसीयू वार्ड की नर्सिंग प्रभारी सिस्टर संध्या राय एवं प्रमुख अधीक्षक सुनीता राठौर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बयान के अनुसार कॉलेज में बाल रोग विभागाध्यक्ष ओम शंकर चौरसिया, सर्जरी विभाग के सह–आचार्य कुलदीप चंदेल व विद्युत प्रभारी अधिकारी को आरोप पत्र देकर झांसी के मण्डलायुक्त को उनकी भूमिका की जांच सौंपी गयी है। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू वार्ड में 15 नवंबर को आग लगने से 10 बच्चों की मृत्यु हो गई थी। मामले की जांच के लिये उप–मुख्यमंत्री पाठक ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को महानिदेशक की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी गठित करने के आदेश दिए थे। पाठक ने कहा कि झांसी मेडिकल कॉलेज में हुई हृदय विदायक घटना को लेकर सरकार बेहद संवेदनशील है और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराई गई है।

भाजपा के शासन में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे के प्रति 'सौतेला व्यवहार : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कन्नौज में आगराकृलखनऊ एक्सप्रेसकृवे पर एक सड़क दुर्घटना में चार चिकित्सकों समेत पांच लोगों की मौत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में एक्सप्रेस–वे के प्रति "सौतेला व्यवहार" किया जा रहा है। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दुर्घटना के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हुए जानमाल के नुकसान को एक दुखद हादसा बताया। उन्होंने कहा, "हर एक जान अनमोल होती है, लेकिन जान बचाने वाले डॉक्टरों की जान जाना और भी अधिक दुखद घटना है। श्रद्धांजलि!"सपा प्रमुख ने इसी संदेश में आगे कहा, "उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को ये सोचना चाहिए कि एक्सप्रेस–वे पर अचानक हादसों की संख्या क्यों बढ़ गयी है। क्या भाजपा सरकार सपा के समय में बने इस विश्वस्तरीय एक्सप्रेस–वे की देखरेख करने की योग्यता और क्षमता नहीं रखती है या फिर जानबूझकर ऐसा किया जा रहा है।" उन्होंने तंज करते हुए कहा, "क्या हाइवे की पुलिसिंग कोने में गाड़ी लगाकर मोबाइल देखने के लिए ही रह गयी है? जब मोबाइल से सिर उठाएंगे तब तो देखेंगे कि कौन गलत–सही गाड़ी चला रहा है। क्या स्पीड पर निगाह रखने वाली सीसीटीवी टेक्नोलॉजी केवल चालान काटकर पैसा कमाने के लिए है या चेतावनी देकर जान बचाने के लिए भी है।" उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "क्या जानवरों की आवाजाही के नियंत्रण का कोई भी उपाय सरकार के पास नहीं है, जो सैकड़ों बार हादसों का कारण बन रहे हैं। भाजपा राज में लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे के प्रति द्वेष भरा सौतेला व्यवहार किया जा रहा है जिसकी कीमत जनता अपनी जान गंवाकर चुका रही है।" उन्होंने पूछा, "सपा के लिए एक्सप्रेस–वे एक बड़ी सोच का ठोस रूप था, जिसका लक्ष्य सुरक्षा के साथ आवागमन–परिवहन को गतिमान बनाकर, बीच के सभी क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था, कृषि और कारोबार को प्रगति और विकास के मार्ग से जोड़ना रहा लेकिन भाजपा के लिए ये केवल करोड़ों का टोल कमाने का जरिया भर बनकर रह गया है। ये टोल कलेक्शन का काम भी प्राइवेट कंपनी को ही दिया गया है, और क्यों दिया गया है, ये समझाने की जरूरत जनता को नहीं है।" यादव ने कहा, "अगर सरकार में कोई भी एक जिम्मेदार हो तो जवाब भले न दे पर जनता के जीवन को बचाने के उपाय जरूर करे।" प्रदेश में कन्नौज जिले के तिर्वा क्षेत्र में बुधवार तड़के एक तेज रफ्तार कार के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराने से उस पर सवार सैफई चिकित्सा विश्वविद्यालय के चार चिकित्सकों समेत पांच लोगों की मौत हो गई।

मैं नसीम सोलंकी प्रतिज्ञा करती हूं..., सीसामऊ विधायक ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

कानपुर/लखनऊ । सीसामऊ से नवनिर्वाचित विधायक नसीम सोलंकी ने आज विधानसभा में शपथ ली। विधानसभा में अध्यक्ष सतीश महाना उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। यूपी उपचुनाव में कानपुर जिले की सीसामऊ विधानसभा सीट पर सपा की नसीम सोलंकी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सुरेश अवस्थी के खिलाफ 8,564 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। सीसामऊ उपचुनाव में किस्मत आजमा रहे कुल पांच उम्मीदवार में से सपा की नसीम सोलंकी को 69,714 मत, भाजपा उम्मीदवार सुरेश अवस्थी को 61,150 मत और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के वीरेन्द्र कुमार को 1410 मत मिले। नसीम सोलंकी के पति इरफान सोलंकी सीसामऊ सीट का 2012, 2017 और 2022 में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके पहले 2007 में इरफान आर्य नगर क्षेत्र से भी विधानसभा सदस्य रहे। एक आपराधिक मामले में सजा सुनाये जाने के बाद इरफान सोलंकी को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित किये जाने के बाद सीसामऊ सीट पर उपचुनाव हुआ। बता दें साल 2022 के विधानसभा चुनाव में यहां सपा के इरफान सोलंकी ने जीत हासिल की थी। साल 2012 में नए परिसीमन के तहत सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र बना था। इसके बाद से ही यह सीट सपा के पास है। इरफान सोलंकी का इस सीट पर खासा दबदबा दिखता है। हालांकि, लोकसभा चुनावों में इस सीट पर भाजपा और सपा के बीच कड़ा मुकाबला होता दिखता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कानपुर से भाजपा ने जीत दर्ज की थी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना- बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर की गई

बेमौसम बारिश से क्षति की सूचना 72 घण्टे के अन्दर अनिवार्य रूप से टोल फ्री नम्बर 14447 करना अनिवार्य है

बांसुरी नगरी कार्यालय पीलीभीत

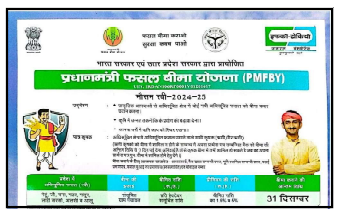

पीलीभीत जनपद मे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है। जिसके अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए इफको–टोकयों जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड को नमित किया गया है। प्राकृतिक आपदा ओलावृष्टि भू–स्लखन, जलभराव, बेमौसमध्चक्रवाती वर्षा, आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग व चक्रवात से फसलों मे हुई क्षति, फसल कटाई उपरान्त आगामी 14 दिनों तक खेत मे सुखाई हेतु रखी गयी फसल को ओलावृष्टि, चक्रवाती वर्षाध्बेमौसम बारिश से क्षति, फसल कटाई के आधार पर प्राप्त वास्तविक उपज मे गारण्टीड थ्रेशोल्ड उपज की तुलना मे कमी होने की स्थिति मे फसलों मे हुई क्षति की प्रतिपूर्ति इफको–टोकयों जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड के माध्यम से बीमित कृषकों को की

जाती है। किसान भाई अपनी फसलों का बीमा अपने नजदीकी क्षेत्रीय बैंक शाखा, जनसेवा केन्द्र एवं भारत सरकार के च्डथ्ठल पोर्टल (ूूण्चउइिलण्हवअण्‌ बवउ.पद) के माध्यम से करा सकते है। गेहूँ, की फसल के लिए बीमित धनराशि अंकन रू0 91900.00 प्रति हैक्टेयर के सापेक्ष कृषक अंश प्रीमियम धनराशि अंकन रू0 1379.00, गेहूँ की फसल के लिए बीमा निर्धारित है। मसूर की फसल के लिए बीमित धनराशि अंकन रू0 65400.00 प्रति हैक्टेयर के सापेक्ष कृषक अंश प्रीमियम धनराशि अंकन रू0 981.00, मसूर की फसल के लिए बीमा निर्धारित है। सरसों की फसल के लिए बीमित धनराशि अंकन रू0 49500.00 प्रति हैक्टेयर के सापेक्ष कृषक अंश प्रीमियम धनराशि अंकन रू0 743.00, सरसों की फसल के लिए बीमा निर्धारित है। तहसील अमरिया की ग्राम पंचायत यथा टांडा विजेसी, बहरूआ, उडरा एवं कटमटा मे मटर की फसल के लिए बीमित धनराशि अंकन रू0 119100.00 प्रति हैक्टेयर के सापेक्ष कृषक अंश प्रीमियम धनराशि अंकन रू0 1787.00, मटर की फसल के लिए बीमा निर्धारित है। प्राकृतिक आपदा ओलावृष्टि, भू–स्खलन, जलभराव, बेमौसमध्चक्रवाती वर्षा, आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग व चक्रवात से फसलों मे हुई क्षति, फसल कटाई उपरान्त आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाई हेतु रखी गयी फसल को ओलावृष्टि, चक्रवाती वर्षाध्बेमौसम बारिश से क्षति की सूचना 72 घण्ट के अन्दर अनिवार्य रूप से टोल फ्री नम्बर 14447 करना अनिवार्य है। अन्य किसी भी जानकारी के लिए इफको–टोकयो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड के जिला प्रबंधक के दूरभाष 8057747626 पर भी कृषक भाई जानकारी प्राप्त कर सकते है। रबी मौसम के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर 2024 है। कृषकों से अपील है कि आप अधिक से अधिक संख्या में अपनी फसलों का बीमा कराने का कष्ट करें। ताकि प्राकृतिक आपदा फसलों की क्षति की स्थिति में फसलों की क्षति की क्षतिपूर्ति होने से आपकी आय स्थिर बनी रहे।

चूका इको टूरिज्म स्पोर्ट पर भारत नेपाल जैव विविधता संरक्षण इवेंट का आयोजन किया गया

बैठक में मुख्य रूप से वन्य जीवों की सुरक्षा, पर चर्चा हुई

बांसुरी नगरी कार्यालय पीलीभीत

पीलीभीत चूका इको टूरिज्म स्पोर्ट पर भारत नेपाल जैव विविधता संरक्षण इवेंट का आयोजन किया गया। नेपाल राष्ट्र की ओर से राम बिचारी ठाकुर डीएफओ कंचनपुर, चीफ वार्डन अधिकारी शुक्ला फाटा राष्ट्रीय निकुंज नेपाल, मनोज के शाह, लव बिष्ट अध्यक्ष बफर जोन मैनेजमेंट काउंसिल, लक्ष्मी राज जोशी एन टी एन सी संरक्षण अधिकारी तथा भारत की ओर से प्रभागीय वनाधिकारी मनीष सिंह डिप्टी पीलीभीत टाइगर रिजर्व, डिप्टी कमांडेंट एसएसबी अजय बहादुर सिंह , नरेश कुमार सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर डब्ल्यू डब्ल्यू एफ, प्रोजेक्ट ऑफिसर देवल कलम, कृतिका भावे मुख्य रूप से उपस्थित रहे है। बैठक में मुख्य रूप से वन्य जीवों की सुरक्षा पर चर्चा। संयुक्त गस्त पर चर्चा, पर्यटन में सहयोग पर चर्चा, समुदाय की सहभागिता से संरक्षण पर चर्चा, स्थानीय व उच्च स्तरीय

बैठक को लगातार करने पर चर्चा, कॉरिडोर प्रबंधन पर चर्चा, वन्य जीवों के भ्रमण पर चर्चा, दोनों देशों के वनाधिकारियों ने टूरिज्म को बढ़ावा देने में सहयोग करने के साथ वन्यजीवों के आवागमन की सूचना साझा करेंगे जिससे मानव वन जीव संघर्ष काम हो। बॉर्डर क्षेत्र की समितियां के साथ समन्वय कर वन जीव संरक्षण किया जाएगा। बैठक में यह भी तय हुआ है कि वन विभाग एस एस बी के साथ मिलकर ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम चलाऐ जाएंगे।

विधायक एवं डीएम की अध्यक्षता में हुआ संविधान दिवस का भव्य आयोजन

बांसुरी नगरी कार्यालय पीलीभीत

पीलीभीत। बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानन्द एवं जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में एक भव्य कार्यक्रम एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। संविधान दिवस के इस मौके पर लखनऊ में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण देखा गया तथा मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना गया। इसके बाद जिलाधिकारी ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को संविधान की उद्देशिका का पाठ कराया। उन्होंने जनपद वासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी।

संविधान दिवस के मौके पर आयोजित गोष्ठी में जिलाधिकारी ने कहा कि हमारा संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। इसे आज ही के दिन अंगीकृत किया गया था। कहा कि हमारा संविधान क्रांतिकारियों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं महान विभूतियों की वर्षों की तपस्या का प्रतिफल है इसमे समय के अनुसार होने वाले परिवर्तनों को आत्मसात करने की प्रवृत्ति है जो किसी भी संविधान की जीवंतता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संविधान की उद्देशिका संविधान की आत्माध्मूल है।

जिलाधिकारी ने कहा कि संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों के साथ–साथ अपने कर्तव्यों को भी जाने और उनको माने व उनका पालन करें,

कहा कि जो जहां पर है वह अपने कार्यों को अच्छे ढंग से संपादित करें तथा देश को तरक्की के मार्ग पर ले जाने में अपना सक्रिय सहयोग करें। इसके साथ ही विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानन्द ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को शपथ दिलाई गई।

प्राथमिक पाठशाला चकजाफर में बेसिक शिक्षा अधिकारी ने किया नयोदय पाठशाला का शुभारंभ

ब्यूरो चित्रकूट

पहाड़ी (चित्रकूट)– नयोदय पाठशाला का शुभारम्भ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बी.के. शर्मा ने प्राथमिक विद्यालय चकजाफर में किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बी. के. शर्मा प्राथमिक विद्यालय चकजाफर मे कार्यशाला का उदघाटन किया एवं अपने उद्बोधन मे सराहना करते हुए नवोदय की पाठशाला को आश्वस्त किया कि यह अत्यंत पुनीत कार्य है आप लोग बहुत अच्छा कार्य करने जा रहे हो निश्चित ही प्रारम्भ में कुछ कठिनाई होगीं किन्तु टीम का प्रयत्न सफल हो और मेरी जहाँ जरुरत हो आप मुझे अवगत कराये मै मदद करने का प्रयास करूँगा। आप सभी अपने प्रयास जारी रखे निश्चित ही इसमे सुखद परिणाम प्राप्त होंगे। ।त्च् शिवप्रेम यागिक ने उपस्थित छात्रों व अभिभावकों एवं शिक्षकों को अवगत कराया कि आगामी प्रत्येक रविवार एवं अवकाश के दिनों में ब्लॉक के कक्षा 5 के जिन बच्चों ने

नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु फार्म भरा है। उन्हें सुयोग्य शिक्षकों द्वारा दिन में 10 बजे से 1 बजे तक योजनाबद्ध शिक्षण सम्पादित करते हुए तैयारी करवाई जाएगी। अभिभावक बच्चों को विद्यालय मे समय से छोड़ना होगा एवं 1 बजे कार्यशाला समाप्ति पर उपस्थित होकर अपने बच्चे को ले जाना होगा। आस–पास के विभिन्न विद्यालयों से आये हुए बच्चों के अभिभावकों का वाट्सअप ग्रुप तैयार कर कार्यशाला के सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। आगामी समय में जो अभिभावक संपर्क करेंगे उनके बच्चों को भी एडमिशन दिया जायेगा। इस व्हाट्सप्प ग्रुप में टीम के सुयोग्य शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक जानकारी साझा की जाएगी। खण्ड शिक्षा अधिकारी पहाड़ी राजेश कुमार ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित सभी अभिभावकों के प्रति आभार प्रकट किया एवं अभिभावकों से अपील किया कि इस कार्यशाला को सफल बनाने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। कार्यक्रम का संचालन ।त्च् शिवप्रेम यागिक ने किया। इस मौके पर प्राथमिक विद्यालय चकजाफर, चकौंधा, गया का पुरवा, अहिरनपुरवा, जरिहा, भुईहरी, अशोह, तौरा आदि विभिन्न विद्यालयों के अभिभावक अपने बच्चों के साथ उपस्थित हुए। कार्यशाला की विशिष्ट सहयोगी विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शिल्पा चौहान, शिक्षक मनोज मिश्रा,धीरेन्द्र कुमार, नोडल संकुल शिक्षक चकौंध हीरालाल सिंह, ऋषिकेश सिँह चकौंध, दीपक पाण्डेय दरसेंडा, नवल पाण्डेय बरमपुर, ऋषि कुमार अरछा, भालेन्द्र सिँह अहिरनपुरवा, सीमा सिंह, अतुल निरंजन खुमानीपुरवा, अनिल सिंह (डी.आर.आई. चित्रकूट) सहित अभिभावकों एवं बच्चों मौजूद रहे।

`शक्ति दीदी'' द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थल एवं ग्रामों में भ्रमण कर महिला एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के प्रति जागरुक किया गया

ब्यूरो चित्रकूट

चित्रकूट। नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वालंबन, महिला सशक्तिकरण, महिला कल्याण एवं बाल विकास के प्रति चलाये जा रहे "मिशन शक्ति अभियान–5" के तहत जनपद के समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीमोंध ''शक्ति दीदी'' द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थल एवं ग्रामों में भ्रमण कर महिला एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के प्रति जागरुक किया गया।"मिशन शक्ति अभियान–5" के तहत दिनांक 27.11.2024 को पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद में नोडल अधिकारी मिशन शक्ति क्षेत्राधिकारी राजापुर जयकरन सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद चित्रकूट से समस्त थानों की एण्टीरोमियों टीम द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामों में भ्रमण किया गया। महिलाओंध्बालिकाओं को "मिशन शक्ति" व ''शक्ति दीदी'' के अलावा जागरुकता हेतु चलाए जा रहे अभियानों के बारे में सार्वजनिक स्थलो जैसे–चौराहे, बाजारों को असामाजिक तत्वों से मुक्त कराये जाने तथा महिलाओ एवं बालिकाओं

के साथ राह चलते छेडखानी, अभद्रता, अश्लील प्रदर्शन तथा अभद्र टिप्पणियाँ इत्यादि की घटनाओं को रोकने के लिये जागरुक किया गया तथा महिलाध बालिकाओं को सुरक्षा संबंधित सेवाएँ जैसे यू0पी0–112 नम्बरध्वूमेन पावर लाइन 1090ध्यूपी कॉप एपध181 महिला हेल्प लाइनध1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइनध 1098 चाइल्ड हेल्प लाइनध102 स्वास्थ्य सेवाध108 एम्बूलेन्स सेवाध1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में जानकारियां दी गई । इस दौरान उपस्थित महिलाओंध बालिकाओं को अवगत कराया गया कि सभी थानों में महिलाओ की सुरक्षाध सहायता हेतु एक महिला हैल्पडेस्क बनाया गया है, जहाँ पर महिला पुलिसकर्मी द्वारा महिलाओं की शिकायत सुनी जाती है तथा समय से उनका निस्तारण किया जाता है । इसके साथ ही मौजूद महिलाओंध्बालिकाओं को महिला सुरक्षा सम्बन्धी चलायी जा रही हेल्पलाइन नम्बरों के सम्बन्ध में पंपलेट वितरित करते हुए विस्तार से जानकारी देने के साथ ही सभी महिलाओंध्बालिकाओ को हेल्पलाइन नम्बर का निर्भीक होकर उपयोग करने हेतु तथा महिलाओ को आत्मनिर्भर बनने व निर्भीक होकर अपने अपने क्षेत्र में कार्य करनेधशिक्षा ग्रहण करने के लिये प्रेरित किया गया तथा सोशल मीडिया पर अपनी प्राइवेसी रखते हुये उसका प्रयोग करने के लिये कहा गया ।

इसी क्रम में महिलाओंध्बालिकाओ को जनपद में गठित "एंटी रोमियो स्क्वायड" टीम के बारे में अवगत कराया गया तथा बताया गया कि सादे वस्त्रों में तथा प्राइवेट वाहनों से सार्वजनिक स्थलों यथा– स्कूल, कालेज व कोचिंग संस्थान के आसपास व ऐसे स्थान जहाँ पर महिलाओ एवं बालिकाओ का अधिकतर आवागमन होता है उनको भौतिक रुप से चिन्हित कर शोहदोध्मनचलो के द्वारा म्अम ज्मेंपदह इत्यादि आपत्तिजनक हरकतों को रोकने के उद्देश्य से सघन चौकिंग कर लोगो से पूछताछ की जाती है व अनावश्यक रुप से मौजूद शोहदोध मनचलो को हिदायतध्कार्यवाही की।

डीएम शिवशरणप्पा जी एन ने संयुक्त जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर संबंधितों को दिए निर्देश

ब्यूरो चित्रकूट

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने संयुक्त जिला अस्पताल सोनपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी वार्ड, वाह्य रोगी विभाग, दवा वितरण कक्ष, नवजात शिशु वार्ड, जच्चा बच्चा वार्ड, अतः रोगी विभाग के अंतर्गत पुरुष वार्ड महिला वार्ड, आयुष्मान वार्ड, सीटी स्कैन रूम, मीरा स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित (किचन), एनीमिया वार्ड, पोषण पुनर्वास केंद्र, ऑपरेशन थियेटर, डायलिसिस विभाग, जैव अपशिष्ट घर आदि का निरीक्षण किया। दवा वितरण कक्ष का निरीक्षण करते हुए उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि कोई भी दवा बाहर से न लिखें एवं दवा एक्सपायरी हो जाती है तो उसे तुरंत हटाए। नवजात शिशु वार्ड में निरीक्षण के दौरान 7 नवजात शिशु को भर्ती कराया गया था एवं निर्देशित किया कि अच्छी से देखभाल करें । पुरुष वार्ड एवं महिला वार्ड निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित नर्सों एवं डॉक्टर को निर्देशित किया कि समय–समय पर आकर इनको देखते

रहे किसी प्रकार की समस्या नहीं आनी चाहिए उन्होंने कहा कि डॉक्टर भगवान का रूप होता है आप लोग निस्वार्थ भाव से सेवा करें। मीरा स्वयं सहायता समूह (किचन) का निरीक्षण के दौरान खाना बनते पाया गया एवं कहा कि जो शासन की गाइड लाइन है उसी के अनुसार खाना दिया जाए।

एनीमिया वार्ड के निरीक्षण के दौरान जो टोकन दिया गया था उसको भी मरीज से वार्ता किया। पोषण पुनर्वास केंद्र में रजवंती पति लल्लू पहाड़ी नोनार की पुत्री मनगिरिया के लिए जिलाधिकारी निर्देशित किया कि अगर समस्या ज्यादा है तो आर्थिक सहायता भी दिया जाए । उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि जहां पर बाउंड्री वॉल टूट गई है व विवादित जमीन नहीं है बाउंड्री वॉल बनवाए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिक्षक को निर्देशित कीए कि जिला अस्पताल के कैंपस में साफ सफाई बनी रहनी चाहिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिक्षक शैलेंद्र कुमार, डा तनवीर एवं समबन्धित अधिकारी उपस्थित दे।

नोडल अधिकारी ने छुट्टा जानवरों को लगाए रिफ्लेक्टर

12 छुट्टा जानवरों को लगाए गए रिफ्लेक्टर

बांसुरी नगरी कार्यालय पीलीभीत

पीलीभीत यातायात माह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में सड़क सुरक्षा के अंतर्गत सड़कों पर छुट्टा जानवरों को रिफ्लेक्टर लगाकर रात के समय में जानवरों के द्वारा होने वाली सड़क दुघर्टनाओं को कम करने के उद्देश्य से छुट्टा जानवरों को रिफ्लेक्टर लगाकर सड़क दुघर्टनाओं को कम करने के उद्देश्य से जानवरों को रिफ्लेक्टर लगाने का कार्य जिला सड़क सुरक्षा नोडल अधिकारी इन्तजार खान के द्वारा किया गया जिसमें सड़क पर बैठे लगभग 12छुट्टा जानवरों को रिफ्लेक्टर लगाने का कार्य किया गया। जिला नोडल सड़क सुरक्षा इन्तजार खान ने बताया कि रात के समय में सड़कों पर छुट्टा जानवरों के द्वारा

दुर्घटनाएं अधिक हो रही हैं क्योंकि रात में जानवर सड़कों पर आकर बैठ जाते हैं और दो पहिया वाहनों एवं चार पहिया वाहन चालकों को दिखाई नहीं देता है और वह दुर्घटना का शिकार होते हैं अब रात में इन जानवरों को रिफ्लेक्टर लगाया गया है जो रात के समय में वाहनों की लाईट लगने पर इनके सींगों पर लगा रिफ्लेक्टर पीला पीला दिखाई देगा जिससे वाहन चालक दूर से देखकर अपने वाहन को बचाने एवं दुर्घटना का शिकार होने से बच जायेंगे

भोजन में पोषक तत्वों का होना जरूरी : चन्द्र प्रकाश द्विवेदी

तुलसीदास शिक्षा एवं विकास समिति शोध संस्थान ने अरछा बरेठी में किया स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रम।

ब्यूरो चित्रकूट

चित्रकूट। तुलसीदास शिक्षा विकास समिति शोध संस्थान द्वारा विकास खंड पहाड़ी अंतर्गत ग्राम अरछा बरेठी में स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उमेश चंद्र कुशवाहा की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रधान रामलाल वर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी को फ्रूट जूस, शैंपू, शहद व महिलाओं को फेशियल किट आदि का वितरण किया गयाध । शिक्षक फूलचंद कुशवाहा ने ग्रामीणों से कहा कि स्वस्थ रहने के लिए खान–पान में पोषक तत्वों का होना जरूरी है यहां पर संस्थान ने रियल फ्रूट के मैंगो जूस,शहद आदि सामग्री वितरण कर सभी को स्वस्थ रहने के प्रति जागरूक करने का काम किया है, ऐसे कार्यक्रमों से गांव की जनता में सुधार आता है। तुलसीदास सोसाइटी के सचिव चन्द्र प्रकाश द्विवेदी ने स्वास्थ्य और पोषण से जुडी सभी

बातें उपस्थित ग्रामीणों को बताई गई, अच्छे खानपान से कैसे स्वस्थ्य रहें और अपने खानपान में सभी पोषक तत्वों का किस तरह समावेश कर संतुलित आहार लें। इसके अलावा दूषित खानपान से होने वाले रोग और उनके बचाव के बारे में विस्तार से सभी को बताया गया, बाद में सभी को डाबर की शहद वितरित की गई। पूर्व प्रधान रामलाल वर्मा ने कहा कि गांव की जनता जागरूकता के अभाव में बहुत पीछे है, सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है,यदि इस तरह के कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे तो हमारे गांव का विकास होगा । जन जागरूकता कार्यक्रम के आयोजक शंकर यादव ने सभी ग्रामवासियों व संस्था सचिव चंद्र प्रकाश द्विवेदी का आभार व्यक्त कियाध ।कार्यक्रम में हनुमान प्रसाद सुरेश चंद्र किशोरी दास शिवभवन दूधनाथ के पी यादव रघुनाथ यादव राकेश कुमार राजपूत भूरा फूलचंद कुशवाहा छेदीलाल श्रीवास, शिवभूषण देव कुमार मंजू विमला रामायणी, नीतू कुसुम भरत लाल भैरव पुष्पराज अरुण कुशवाहा रामकुमार दीपक सिंह बछराज आनंद किशोर दयानंद सुखेंद्र मूलचंद राम शंकर मिठाई लाल रवि करण सोनू अभिषेक आदि मौजूद रहे ।

सम्पादकीय

संविधान सबसे पवित्र ग्रंथ नहीं, महज एक कानूनी ग्रंथ है जो भेदभाव से परे नहीं है!

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान दिवस पर संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि संविधान सबसे पवित्र ग्रंथ है, क्योंकि हमने संविधान के जरिए सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के कई बड़े लक्ष्यों को हासिल किया है। संविधान निर्माताओं की प्रगतिशील और समावेशी सोच की छाप हमारे संविधान पर अंकित है। हालांकि, यह कहना गलत नहीं होगा कि संविधान सिर्फ एक कानूनी का ग्रंथ है, सबसे पवित्र ग्रंथ नहीं! क्योंकि पवित्र ग्रंथ तो वेद–पुराण, बाइबिल, कुरान आदि धार्मिक पुस्तकें हैं, जिनकी पंक्ति में किसी भी कानूनी दस्तावेज को खड़ा करना इन विश्वासों को खंडित करने जैसा है। दुनिया भर के संविधान इन आरोपों से परे नहीं हैं।

लिहाजा, राष्ट्रपति मुर्मू के इस विचार से पवित्र और पवित्रता शब्द के उपयोग पर एक नई बहस छिड़ना लाजिमी है। क्योंकि किसी भी ध र्मनिरपेक्ष व्यवस्थाध्वस्तुओं के लिए पवित्र शब्द का उपयोग करना, न तो भाषा सम्मत है, न ही न्यायसंगत! इससे विषयगत भ्रांतियां पैदा होती हैं। सच तो यह है कि भारत का संविधान सबसे पवित्र ग्रंथ नहीं, बल्कि सिर्फ एक कानूनी ग्रंथ है जो भेदभाव से परे नहीं है, इसलिए इसमें जनहित के नजरिए से व्यापक बदलाव अपेक्षित है! ऐसी मांगे समय–समय पर उठती आई हैं जिसे बहुमत द्वारा दबा दिया जाता है। इसलिए सर्वसम्मति वाले लोकतंत्र की जरूरत यहां ज्यादा है, क्योंकि यह विविधताओं में एकता वाला देश है। यहां के नियम–कानूनों में जाति–धर्म–भाषा–क्षेत्र आदि की बू नहीं आनी चाहिए, लेकिन ऐसा है! वहीं, रही बात संविधान के पवित्र ग्रन्थ होने की तो यहां पर यह याद दिलाना जरूरी है कि पवित्र शब्द किसी ऐसी चीज का वर्णन करता है जो किसी देवता की सेवा या पूजा के लिए समर्पित या अलग रखी गई होय जबकि भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष है। इसलिए पवित्र शब्द से इसकी उपमा दिया जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। वैसे भी पवित्रता आध्यात्मिक सम्मान या भक्ति के योग्य मानी जाती हैय या विश्वासियों के बीच भय या श्रद्धा को प्रेरित करती है। अमूमन, संपत्ति को वस्तुओं (एक ष्पवित्र कलाकृतिष् जिसे सम्मानित और आशीर्वाद दिया जाता है), या स्थानों (ष्पवित्र भूमिष्) के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, लेकिन इससे मतभिन्नता पैदा होती है।

आधुनिक लोकतंत्र के जन्मदाता फ्रांस के समाजशास्त्री एमिल दुर्खीम ने पवित्र और अपवित्र के बीच के द्वंद्व को धर्मविशेष की केंद्रीय विशेषता माना है। क्योंकि ष्धर्म पवित्र चीजों से संबंधित विश्वासों और प्रथाओं की एक एकीकृत प्रणाली है, यानी अलग रखी गई और निषिद्ध चीजें।ष दुर्खीम के सिद्धांत में, पवित्र समूह के हितों का प्रतिनिधित्व करता है, विशेष रूप से एकता, जो पवित्र समूह प्रतीकों में सन्निहित है, या मुसीबत से बाहर निकलने में मदद करने के लिए टीम वर्क का उपयोग करती है। दूसरी ओर, अपवित्र में सांसारिक व्यक्तिगत चिंताएँ शामिल हैं।

यह भी कड़वा सच है कि हमारा संविधान मनुस्मृति और चाणक्य के अर्थशास्त्र आदि व्यवस्थागत पुस्तकों का एक महज विस्तार भर है, जिसमें आधुनातन विचार शामिल किए गए हैं। यह इससे ज्यादा कुछ नहीं है! आप मानें या न मानें, लेकिन हमारा संविधान भी बहुमत पर आधारित एक सत्तागत प्रवृत्ति का द्योतक है जो सत्ता की प्रकृति के बदलते ही बदल जाएगी। भले ही इसमें सभी धर्मोंध्मतों की जरूरतें शामिल हैं, फिर भी इस्लाम मतावलंबियों द्वारा जिस तरह से सरिया कानून लागू करने की मांग उठ रही है, वह तो महज एक उदाहरण है। इसी तरह सनातन मतावलंबियों में भी वैदिक कानून लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है, जो हिन्दू धर्मध्सनातन मान्यताओं की परम्पराओं पर आधारित हों। वहीं, आदिवासी समुदाय की ओर से भी ऐसी मांगें उठी हैं। ऐसी मांगे भविष्य में सभी धर्मावलंबियों के द्वारा की जा सकती है। ऐसा किया जाना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि भारत के संविधान की रचना पश्चिमी देशों की मान्यताओं के अनुरूप की गई है, जो भारत के पुरातन संस्कारों से ज्यादा मेल नहीं खाती है। इसलिए इस पर एक स्वस्थ परिचर्चा अपेक्षित है। वैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस मत से सहमत हुआ जा सकता है कि संविधान हमारी हर जरूरत और अपेक्षा पर खरा उतरा है, जो हमारा मार्गदर्शक है। देश में जब इमरजेंसी लगी तब भी संविधान ने लोकतंत्र की चुनौतियों का सामना किया और वह हर अपेक्षा पर खरा उतरा। परिवर्तन के दौर में संविधान गाइडिंग लाइट की तरह है जो रास्ता दिखा रहा है। उन्होंने स्वीकार किया है कि, विभिन्न मुद्दों पर संविध ान सभा में लंबी बहस हुई थी और गम्भीर चर्चाएं हुई थी।

लिहाजा, संविधान में ऐसी व्यवस्था की गई है कि उचित समय पर निर्णय लेते हुए इसकी व्याख्या की जा सकती है।

उनकी इस बात में भी दम है कि भारत की आकांक्षाएं समय के साथ नई ऊंचाई पर जाएंगी। इसलिए हमारा संविधान वर्तमान भारत और भविष्य का मार्गदर्शक है। इसने सभी चुनौतियों का समाधान करने का काम किया है और रास्ता दिखाया है। हालांकि, भारत के लोगों को क्वालिटी ऑफ लाइफ और गरिमामयी जिंदगी मिले, इसके लिए आर्थिक और सामाजिक न्याय अहम है। इसके लिए कुछ बदलाव अपेक्षित हैं। उन्होंने संविधान सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद को याद करते हुए ठीक ही कहा कि भारत को ईमानदार लोगों के समूह से ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। जो अपने हितों से आगे देश का हित रखेंगे। नेशन फर्स्ट की यही भावना भारत के संविधान को आने वाले कई सदियों को जीवंत बनाए रखेगी। वहीं, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने भी ठीक ही कहा है कि भारत ने विभाजन की भयावहता, अशिक्षा, गरीबी और कमजोर लोकतांत्रिक व्यवस्था से लेकर एक आत्मनिर्भर, जीवंत लोकतंत्र और भू–राजनीतिक नेतृत्व कर्ता बनने तक का परिवर्तन कारी सफर तय किया है। इस बदलाव का श्रेय संविधान को है। इसलिए संविधान एक दस्तावेज भर नहीं है बल्कि यह जीने का तरीका बन चुका है और संविधान ने इस परिवर्तन में अहम भूमिका निभाई है। देश ने जो परिवर्तनकारी सफर तय किया है, उस यात्रा के पीछे भारत का संविधान है, जिसने यह परिवर्तन लाने में मदद की है। यह आज जीवन जीने का एक तरीका है, जिसका पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, जिन लोगों की चिंता हमारा संविधान नहीं करता और बेतरतीब दलीलें संसद से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक दी जाती हैं, उनकी चिंता भी इसमें शामिल करना होगा और संविधान संशोधन करने होंगे, अन्यथा इसके सर्वस्वीकार्यता पर सवाल खड़े होंगे ही।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारतीय संविधान एक जीवंत दस्तावेज है जो लोगों को मौलिक अधिकार और कर्त्तव्य का दायित्व देता है।

वहीं सरकार को सुशासन के लिए नीतिनिर्देशक सिद्धांत भी देता है। यहां कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के काम में विभाजन है। फिर भी लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जब यह आरोप लगाते हैं कि बीजेपी और आरएसएस एससी, एसटी और ओबीसी के सामने खड़ी दीवार को और मजबूत कर रही है। और इसी क्रम में जब यह स्वीकार करते हैं कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाली यूपीए की सरकार में इस दीवार को कमजोर करने का काम जिस मजबूती से होना चाहिए, वह नहीं हुआ, तो संविधान व सरकार की सोच और सफलता दोनों पर सवाल उठना लाजिमी है।

बहरहाल, संविधान की संस्कृत भाषा के संस्करण का लोकार्पण प्रशंसनीय है, लेकिन संस्कृत के सर्वग्राही संस्कारों से इसे कब समृद्ध किया जाएगा, यह सवाल यक्ष प्रश्न बनकर समुपस्थित है। समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक जैसे इसके विचार व्यक्तिपरक होने चाहिए, दुर्भावना प्रेरित नहीं! इसलिए इसमें समसामयिक वाद–विवाद और संशोधन की गुंजाइश को सर्वसम्मत बनाया जाना चाहिए, बहुमत आधारित नहीं! वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवन्तु सुखिनः तभी सम्भव है, जब कानूनी भेदभाव तार्किक हो, परम्परागत नहीं!

महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव परिणाम : सत्ता पक्ष को फिर मिला जनादेश

– सुरेश हिंदुस्तानी,

देश के दो राज्यों के साथ कुछ राज्यों के उपचुनाव के परिणाम ने सत्ता पक्ष के प्रति अपना जनादेश दिया है। हर चुनाव में सत्ता के प्रति जनता में किसी न किसी बात पर आक्रोश रहता है, लेकिन महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव में ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दिया। जनता ने फिर से उन्हीं सरकारों को फिर से सत्ता संभालने की जिम्मेदारी दी है, जो सत्ता में थी। खास बात यह है कि महाराष्ट्र और झारखण्ड में सत्ता धारी गठबंधन को पहले से ज्यादा सीटें मिली हैं। यह जनादेश न तो किसी के उछलने का मार्ग तैयार करता है और न ही किसी को नकारने की स्थिति पैदा करता है। जहां तक खुशियाँ मनाने की बात है तो महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन जीत की खुशी मना रहा है तो झारखण्ड में इंडी गठबंधन के गले में विजयी माला पहनाई गई है। वहीं उपचुनाव में सबको खुशी और सबक दोनों ही दिए हैं। महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद अपने हिसाब से राजनीतिक विश्लेषण किए जा रहे हैं। राजनीतिक दलों के लिए इन चुनावों में प्रादेशिक रूप से जय और पराजय दोनों ही सन्देश प्रवाहित हो रहे हैं। किसी के लिए खुशी तो किसी के लिए गम की स्थिति पैदा करने वाले परिणाम ने यह तो साबित कर दिया है कि देश में किसी एक राजनीतिक दल का न तो व्यापक प्रभाव है और न ही कम सीट प्राप्त करने वाले को कमतर आँका जा सकता है। इस चुनाव की सबसे खास बात यह मानी जा सकती है कि कोई भी पार्टी अकेले दम पर बहुमत का आंकड़ा प्राप्त नहीं कर सकी, जिससे यह सन्देश निकल रहा है कि अब भविष्य की राजनीति की दिशा और दशा गठबंधन के सहारे ही तय होगी। वर्तमान में राजनीति दो विचार धाराओं के बीच है, जिसमें एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के साथ समन्वय बनाकर चलने वाले राजनीतिक दलों का विचार है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के विचारों से तालमेल रखने वाले दलों की बानगी है। इतना ही नहीं इन चुनावों एक दूसरे के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया गया, वह राजनीतिक हिसाब से भले ही जायज ठहराया जा सकता है, लेकिन आम नागरिकों के समक्ष भ्रम जैसी स्थिति को ही प्रादुर्भित करती हैं। महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भाजपा के लिए निश्चित ही अच्छे कहे जा सकते हैं, लेकिन झारखण्ड में सरकार बनाने का सपना लेकर मैदान में उतरी भाजपा को फिर से तैयारी करनी होगी। झारखण्ड के परिणाम को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति उपजी सहानुभूति को आधार बताया जा रहा है। पिछले दिनों झारखण्ड में हुए भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से अलग होना पड़ा था। जिसके बाद हेमंत सोरेन ने चुनाव में इसी को अपना राजनीतिक हथियार बनाया था और चुनाव में अपने पक्ष में वातावरण बनाया। ऐसा लगता है कि झारखंड में भाजपा अपनी ताकत और कमजोरी को भाँपने में विफल हो गई। झारखण्ड में भाजपा इतनी अप्रभावी नहीं कही जा सकती, जैसा उसका इस चुनाव में प्रदर्शन रहा है। पिछले विधानसभा के चुनाव में भाजपा के प्रादेशिक नेताओं की तनातनी जगजाहिर थी, जिसका परिणाम भाजपा के लिए ठीक नहीं था। हालाँकि इस चुनाव में भाजपा ने पिछली गलती को सुधारने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वह सत्ता के सीढ़ी का निर्माण कर पाने में असफल रही। अब झारखण्ड में फिर से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन फिर मुख्यमंत्री होंगे, यह भी तय लगता है। परिणाम के बाद अब महाराष्ट्र के चुनावों के बारे में जो राजनीतिक निष्कर्ष निकाले जा रहे हैं, उसके अनुसार यही कहा जा रहा है कि झारखंड और महाराष्ट्र में राजनीतिक हवा अलग अलग दिशा में बह रही थी। जिसने हवा का रुख भांप लिया, वह हवा के साथ ही चला और सत्ता प्राप्त करने में सफलता हासिल की। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस के साथ रहने वाले शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को जनता ने नकार कर शायद यही सन्देश दिया है कि यह सत्ता के लिए किया गया बेमेल गठबंधन ही था। महाराष्ट्र में ऐसे जनादेश का क्या अर्थ होना चाहिए कि एक गठबंधन जीत गया तो दूसरा गठबंधन हार गया। इसी प्रकार झारखण्ड में भी जनादेश की भी समीक्षा की जाने लगी है। पिछले पांच साल में महाराष्ट्र में जिस प्रकार की राजनीतिक उठापटक हुई थी, उसके केंद्र में कौन था, यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता, लेकिन इंडी गठबंधन की मानें तो उसने इसका सारा ठीकरा भाजपा के मत्थे मढ़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। इस राजनीतिक धमा चौकड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिव सेना ने अपने विभाजन के रूप में चुकाई। जो धड़े अलग हुए वे भाजपा के साथ जाकर खड़े हो गए और महाराष्ट्र में सरकार बनाई। कहा जा रहा है कि जनादेश ने भाजपा के साथ वाली शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को असली होने का प्रणाम पत्र दे दिया है। अब महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन की ही सरकार बनेगी, यह तय है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, इसके कयास भी लगने लगे हैं, क्योंकि महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर भाजपा ने शानदार वापसी की है। ज्यादा उम्मीद इसी बात की है कि एकनाथ शिंदे ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके पीछे राजनीतिक कारण यह भी माना जा रहा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सहयोगी दलों की जरुरत है, इसलिए भाजपा अपने सहयोगी दलों को अब नाराज नहीं कर सकती। दूसरी बात यह भी है भाजपा ने एकनाथ शिंदे को जिस प्रकार से चौकाने वाले अंदाज में मुख्यमंत्री बनाया था, वह हर किसी के लिए आश्चर्य ही था। अब यह भी हो सकता है कि भाजपा ने जिस प्रकार से पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उप मुख्यमंत्री बनाया, वही प्रयोग शिंदे के साथ भी किया जा सकता है।

संभल हिंसा से सुलगते सवालों का जवाब आखिर कौन देगा?

– कमलेश पांडेय

कहते हैं कि लम्हों ने खता की और सदियों ने सजा भुगती। भारत देश और भारतीय इसका जीता–जागता उदाहरण हैं। मुहम्मद बिन कासिम जैसे मुस्लिम आक्रांताओं और उनके अनुगामियों ने तलवार की नोंक पर भारत की देशज सत्ता हथियाने के बाद यहां की सनातन सभ्यता–संस्कृति के साथ जो खिलवाड़ किया, उसका हिसाब–किताब अब उनकी ध र्मांतरित पीढ़ियों को देना पड़ रहा है। खासकर मंदिरों को ढहाकर जिन मस्जिदों का निर्माण किया गया, उनकी मुक्ति यानी जीर्णोद्धार का अभियान अब स्थानीय प्रशासन के गले की हड्डी बन चुकी है।

देखा जाए तो ऐसे मामलों में कभी आपसी विवाद, तो कभी न्यायिक आदेश के अनुपालन में सिविल व पुलिस प्रशासन को अपनी सक्रियता दिखानी पड़ती है, लेकिन कानून का राज स्थापित करने में उनकी विफलता से जब तब सांप्रदायिक दंगे भी भड़क जाते हैं जिससे धन–जन की भारी क्षति भी होती है। अतीत की बात यदि भुला दी जाए तो भी स्वतंत्र भारत की यह एक बड़ी चुनौती है, जबकि यह हिंदुओं के हिस्से का हिंदुस्तान है, क्योंकि मुस्लिमों को तो पाकिस्तान दे ही दिया गया, जिसका भाग ही बंगलादेश है।

लेकिन भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने के बजाय धर्मनिरपेक्ष देश घोषित करना, फिर वोट बैंक की राजनीति के तहत मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति अपनाना और आतंकवाद पर समझौतापरस्त रुख अपनाने की प्रतिक्रियाओं में उभरे राष्ट्रवाद व हिंदुत्व की जनभावना ने जब बदले की कार्रवाई शुरू की तो तथाकथित ध र्मनिरपेक्ष ताकतों में खलबली मच गई। रामजन्मभूमि–बाबरी मस्जिद विवाद और उसके न्यायसंगत समाध ान ने तथाकथित धर्मनिरपेक्ष नेताओं के सत्ता की चूलें हिला दीं और हर ओर उनका पतन हुआ।

अब रामजन्मभूमि मुक्ति मिशन के पूरा होने के बाद न केवल मथुरा–काशी, बल्कि वैसे तमाम मंदिरों की मुक्ति के सवाल जनमानस में सुलगने लगे हैं, जिन्हें बर्बरतापूर्ण कार्रवाई के बाद मस्जिदों में तब्दील कर दिया गया था। चूंकि इतिहास खुद को दुहराता है, इसलिए अब ध ीरे–धीरे पुराने गड़े मुर्दे उखड़ने लगे हैं, उखाड़े जाने लगे हैं। इसी कड़ी में उत्तरप्रदेश के संभल जनपद के सदर तहसील स्थित दीपा सराय की जामा मस्जिद को जब हिंदू पक्ष श्री हरिहर मंदिर होने का दावा कर रहे हैं और उनके इसी दावे के आधार पर कोर्ट ने जब मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, तो फिर कानून के अनुपालन में कार्य कर रहे लोगों के विरुद्ध शांतिप्रिय समुदाय द्वारा बवाल काटने को न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि संभल के कैला देवी मंदिर के ऋषिराज गिरी समेत आठ वादियों ने सिविल जज सीनियर डिविजन आदित्य कुमार सिंह की चंदौसी स्थित कोर्ट में इस बाबत एक वाद दाखिल किया है। जिसके दृष्टिगत कोर्ट ने कमिशन गठित कर रिपोर्ट मांगी है। इस मामले की अगली सुनवाई 29 नवंबर 2024 को होगी। हिंदू पक्ष के एक स्थानीय वकील गोपाल शर्मा ने बताया है कि, कोर्ट में दायर याचिका में बताया गया है कि बाबरनामा और आइन– ए–अकबरी ने पुष्टि की है कि उस स्थान पर हरिहर मंदिर था। मंदिर को मुगल सम्राट बाबर ने 1529 में ध्वस्त कर दिया था। लिहाजा इस मामले में उन्होंने कोर्ट में बाबरनामा और आइन–ए–अकबरी का संदर्भ दिया है, जिनसे साफ होता है कि वहां हरिहर मंदिर था। हिंदू पक्ष का कहना है कि मंदिर पृथ्वीराज चौहान के शासन से पहले बना था, जबकि मस्जिद मुगलकाल में मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी।

लिहाजा, महंत ऋषि राज गिरि महाराज आदि ने 19 नवंबर को सिविल कोर्ट में याचिका दायर कर सर्वे की मांग की थी। इस मामले में सिविल जज के कोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के अधि वक्ता विष्णु शंकर जैन मुख्य याचिकाकर्ता हैं। चूंकि चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य कुमार सिंह की अदालत में वाद दाखिल किया था। इसलिए कोर्ट ने इसी याचिका पर 7 दिन में सर्वे रिपोर्ट मांगी है, जिसे 29 नवंबर को जमा करना है। कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव के नेतृत्व में टीम ने 19 नवंबर की शाम को ही सर्वे की शुरुआत कर दी थी। रविवार को टीम सर्वे की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए दोबारा मस्जिद पहुंची थी।

मसलन, कोर्ट से सर्वेक्षण का आदेश जारी होने के बाद मंगलवार को जब पहली बार सर्वे हुआ, तब से ही मुस्लिम समुदाय में असंतोष फैलने लगा और उस दिन भी विरोध हुआ था। क्योंकि मुस्लिम पक्ष मान रहा है कि इस प्रक्रिया में जल्दबाजी की गई, उनको पर्याप्त समय या अवसर नहीं दिया गया। इसलिए सर्वेक्षण के दौरान मस्जिद के बाहर बड़ी संख्या में शांतिप्रिय समुदाय के लोग एकत्रित हो गए, जिससे स्थिति पहले तनावपूर्ण हुई, फिर अनियंत्रित हो गई। जिसे भारी मशक्कत के बाद नियंत्रित किया गया।

बताया जाता है कि मस्जिद में आमतौर पर रविवार दोपहर में नमाज होती है। ऐसे में सर्वे करने वाली टीम को इससे पहले आने के लिए कहा गया था। सर्वे टीम के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि सुबह साढ़े 7 बजे टीम पहुंची और 10 बजे तक सर्वे चला। फिर हम जरूरी तस्वीरें और विडियो लेकर जब निकलने लगे तभी भीड़ ने घेर लिया। फिर सर्वेक्षण टीम को सुरक्षित निकालने के क्रम में जो कुछ हुआ, वह न केवल योगी सरकार बल्कि शांतिप्रिय समुदाय के लिए भी एक कलंक है।

ऐसा इसलिए कि लखनऊ में बाजाप्ता एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि, ष्संभल में एक गंभीर घटना हुई। चुनाव के बारे में चर्चा को बाधित करने के लिए सुबह जानबूझकर एक सर्वेक्षण टीम भेजी गई थी। इसका उद्देश्य अराजकता पैदा करना था, ताकि चुनावी मुद्दों पर कोई बहस न हो सके। मैं कानूनी या प्रक्रियात्मक पहलुओं में नहीं जाना चाहता, लेकिन दूसरे पक्ष की बात भी नहीं सुनी गई। यह जानबूझकर भावनाओं को भड़काने और चुनाव में धांधली पर चर्चा से बचने के लिए किया गया था। संभल में जो कुछ हुआ, वह चुनावी गड़बड़ियों से ध्यान हटाने के लिए बीजेपी, सरकार और प्रशासन की ओर से किया गया था। हालांकि, सवाल यह भी है कि एक न्यायिक और प्रशासनिक कार्रवाई को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सियासी रंग क्यों दिया? क्या सिर्फ इसलिए कि अल्पसंख्यक मुस्लिम वर्ग उनका वोट बैंक है? आखिर वह इस बात से अनजान क्यों हैं कि संभल जिला प्रशासन ने शनिवार को ही शांति भंग की आशंका में जिन 34 लोगों को 10 लाख रुपये तक के मुचलके पर पाबंद किया, उसमें सपा के संभल सांसद जिया उर रहमान बर्क के पिता ममलुकुर रहमान बर्क भी शामिल हैं। वहीं, इस मुचलके पाबंदी के ठीक एक दिन बाद वहां जिस तरह से आगजनी व फायरिंग की गई, जिसमें कुछ लोग हताहत भी हुए, उससे तो यही पता चलता है कि सर्वेक्षण टीम व पुलिस पर हमलावरों को सियासी संरक्षण प्राप्त है। तभी तो संभल के जिला अधि कारी राजेंद्र पैंसिया ने एक अधि सूचना जारी कर किसी भी बाहरी व्यक्ति, सामाजिक संगठन या जनप्रतिनिधि को अधिकारियों के आदेश के बिना संभल में प्रवेश करने पर रोक लगा दी है।

बता दें कि संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए दाखिल वाद के आधार पर सर्वे के लिए रविवार सुबह सात बजे कोर्ट कमिश्नर की टीम पहुंची तो संभल में बवाल हो गया। अचानक टीम के पहुंचने की सूचना पर जुटी भीड़ मस्जिद में दाखिल होने कोशिश करने लगी। फिर उन्हें रोकने पर भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। हिंसक हुई भीड़ ने चंदौसी के सीओ की गाड़ी समेत कई वाहनों में तोड़फोड़ कर दी और आग लगा दी। इसी बीच फायरिंग भी शुरू हो गई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा। बवाल में घिरकर दो–तीन लोगों की मौत हो गई। कई अधिकारियों समेत दर्जनों लोग घायल हुए हैं। तनाव को देखते हुए संभल में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

बता दें कि सर्वे टीम कोर्ट कमिश्नर चंदौसी के वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश सिंह राघव की अगुवाई में आई थी। संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई भी टीम के साथ थे। इसलिए बाहर हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठियां चलाकर सर्वे टीम को किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाला। भले ही पुलिस के आक्रमक होते ही उपद्रवी भागने लगे, लेकिन कुछ देर बाद भीड़ फिर जुट गई और लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान छतों से फायरिंग होने लगी। मौके पर पहुंची अन्य जिलों की पुलिस और पीएसी के साथ अधिकारियों ने उपद्रव करती भीड़ से मोर्चा लिया। इसके बावजूद करीब डेढ़ घंटे हालात बेकाबू रहे। जैसे–तैसे भीड़ को तितर–बितर कर पुलिस आगे बढ़ी। पूरे इलाके की नाकेबंदी कर दी।

इस घटना के बाद पूरे शहर में तनाव गहरा गया। शाम होने तक सख्ती इतनी बढ़ा दी गई कि शहर में अघोषित कर्फ्यू जैसा माहौल हो गया। एक ओर हिंसा का शिकार युवकों के परिजनों ने पुलिस की गोली से मौत होने की बात कही है। वहीं, दूसरी ओर मौके पर पहुंचे कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि तीन युवकों में दो की मौत गोली लगने से हुई है, लेकिन पुलिस ने गोली नहीं चलाई थी। भीड़ को खदेड़ने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठी का प्रयोग किया था। तीसरे युवक की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। घायलों में डीआईजी, संभल के डीएम, एसपी और एसडीएम भी शामिल हैं। वहीं, संभल बवाल में हयातनगर निवासी रोमान (40), फत्तेहउल्ला सराय निवासी बिलाल (22) और मोहल्ला कोट तबेला निवासी नईम (35) की मृत्यु हो गई। वहीं, एक अन्य मृतक की पहचान नहीं हुई है। इस बवाल के बाद पुलिस के साथ पीएसी, आरआरएफ और आरएएफ को शहर में लगाया गया है। बवाल में कई पुलिसकर्मी और अधिकारी घायल हुए हैं। सभी का मेडिकल कराया गया है। बवालियों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, उपद्रवी गिरफ्तारी के डर से चोरी–छिपे इलाज करवा रहे हैं। घायल लोग कहां और कैसे इलाज करा रहे हैं, पुलिस इसकी तलाश कर रही है। एएसपी श्रीशचंद्र के मुताबिक, दो घायल ही मेडिकल कराने जिला अस्पताल पहुंचे थे। जो लोग चोरी–छिपे इलाज करा रहे हैं, उनका पता लगाया जा रहा है। पथराव–फायरिंग में पुलिस ही नहीं, सैकड़ों उपद्रवी भी घायल हुए हैं।

सवाल है कि जब पिछले पांच दिनों से संभल में जामा मस्जिद सर्वे को लेकर विवाद चल रहा था, नेता बयानबाजी भी कर रहे थे, पुलिस लोगों को मुचलकों में पाबंद भी कर रही थी, लेकिन बवाल को भांपने में अधिकारी नहीं बल्कि जिले से लेकर मंडल मुख्यालय तक का सूचना तंत्र भी फेल हो गया। रविवार जैसे बवाल का कोई इनपुट नहीं मिला था। वहीं, करीब डेढ़ घंटे तक चले पथराव में गलियां ईंट–पत्थरों से पट गईं। हालात नियंत्रित होने के बाद पुलिस ने नगर पालिका की टीम बुलवाई और गलियों से ईंट–पत्थर हटवाने के साथ ही क्षतिग्रस्त वाहनों को मौके से हटवाकर थाने भिजवाया। तब जाकर जामा मस्जिद के आसपास की सड़कें साफ हुईं। हैरत की बात है कि पत्थरबाजी करने वाले उपद्रवी नकाब पहने हुए थे। पुलिस की बार–बार चेतावनी के बाद भी न तो पथराव बंद किया और न ही पीछे हटे। पुलिस ने जब आंसू गैस के गोले छोड़े तो उपद्रवियों ने वही गोले उठाकर पुलिस पर फेंक दिए। इससे पुलिसकर्मियों को मोर्चा संभालने में परेशानी हुई। इसलिए पुलिस अधिकारियों को आशंका है कि उपद्रव करने वाले पेशेवर थे और वह हिंसा करने ही आए थे।

इससे साफ है कि शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल में जनहानि के साथ बड़ी आर्थिक क्षति हुई है। इसलिए बवाल के बाद पुलिस उपद्रवियों को पकड़ने के प्रयास में जुटी है। सीसीटीवी से पहचान करने के बाद पुलिस उन्हें पकड़ने के प्रयास में जुटी है। पुलिस ऐसे लोगों का सहयोग ले रही है, जो शांतिप्रिय हैं। घर–घर पुलिस की टीम दबिश दे रही है और उपद्रवियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। पुलिस अधिकारियों की मानें, तो रविवार शाम तक दो महिलाओं समेत 21 लोगों को पुलिस हिरासत में ले चुकी है। वहीं, हिरासत में ली गईं दोनों महिलाओं ने पूछताछ में बताया कि पुलिस को टारगेट कर पथराव किया गया। ऐसा भी बताया जा रहा है कि कुछ बाहरी लोगों ने भीड़ में शामिल होकर उपद्रव किया है। पत्थर फेंकने और तोड़फोड़ व पथराव करने वाले अधिकांश उपद्रवियों के चेहरे रुमाल से ढके हुए थे। जिससे पता चलता है कि यह योगी सरकार के खिलाफ कोई सोची समझी सियासी साजिश है। इसलिए पुलिस अब क्षेत्र में गश्त कर घर–घर उपद्रवियों की तलाश कर रही है। संभल में जो कुछ हुआ, वह लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता। इसलिए इस पर सियासत नहीं होनी चाहिए। यह सांप्रदायिक दंगा कम और पुलिस के विरुद्ध हिंसा की कार्रवाई ज्यादा प्रतीत हुई, जो एक खतरनाक ट्रेंड है। बहरहाल, पूरे देश में इस मनोवृत्ति को प्रशासन को कुचलना ही होगा, ताकि सर्वत्र शांति बहाल रहे। उसे ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी, ताकि पुलिस की जरूरत ही कम पड़े। यदि भारत वाकई धर्मनिरपेक्ष देश है तो फिर धर्म आधारित शिक्षा के प्रशासनिक स्वीकृति और सरकारी पाठ्यक्रम दोनों पर रोक लगे। यह सभी धर्मों पर समान रूप से लागू हो।

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में बीते मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया।

ब्यूरो उन्नाव /बांगरमऊ, उन्नाव।। स्थानीय इंदिरा गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो सदानंद राय के संरक्षण व मिशन शक्ति संयोजिका सविता राजन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में बीते मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में ष्संविधान दिवस की महत्ताष विषय पर आयोजित निबंध, क्विज और भाषण प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में महाविद्यालय की आंचल सिंह प्रथम,शोभित कुमार द्वितीय व अंजलि तथा निखिल ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं क्विज प्रतियोगिता में निखिल कुमार प्रथम , सौरभ कुमार ने द्वितीय स्थान व साधना यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता में निखिल कुमार प्रथम , आयुष कुमार द्वितीय तथा निशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्राचार्य द्वारा छात्र–छात्राओं को संविधान के उद्देशिका से परिचित कराया और संविधान के सम्मान व नियम कानून का पालन करने की शपथ दिलाई। प्रतियोगिता में मुख्य वक्ता ष्अंजली सिंहष कॉर्पोरेट अधिवक्ता हैदराबाद, रहीं। उन्होंने कहा कि संविधान भारत का महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो भारत के सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है।

उद्योग व्यापार मण्डल फीता काटकर किया उदघाटन

चर्चा आज की फतेहपुर ब्यूरो

फतेहपुर का उदघाटन उद्योग व्यापार मण्डल उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा ने फीता काटकर प्रोपराइटर संदीप श्रीवास्तव को व्यापार प्रगति उन्नति की बधाई शुभकामनाएं देते कहा ग्राहक की सेवा व्यापार को विकसित करता हैं स्वागत अभिनंदन करते प्रोपराइटर संदीप श्रीवास्तव ने कहा बसु इलेक्ट्रॉनिक्स के शुभ अवसर पर ग्राहकों का अभिवादन अभिनंदन हैं प्रतिष्ठान में पंखा कूलर मिक्सी इनवर्टर वाशिंग मशीन फ्रिज टेलीविजन एडिक्शन विद्युत वायरिंग सहित इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिक के समस्त समान ग्राहकों के लिये सम्मान के साथ उचित मूल्य में उपलब्ध हैं नव प्रतिष्ठान के शुभारंभ के अवसर पर संरक्षक हंसराज सोनी मण्डल अध्यक्ष प्रयागराज अनिल वर्मा उपाध्यक्ष रमेश सोनी जिला महासचिव आशीष सिंह नीरज पांडेय वीरभान यादव रोहित यादव पवन श्रीवास्तव अनिल यादव आशीष तिवारी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे व शुभकामनाएं दी

समाज में नारी सुरक्षा हेतु व सम्मान

चर्चा आज की फतेहपुर ब्यूरो

फतेहपुर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निकट पर्यवेक्षण में आयोजित मिशन शक्ति पंचम चरण व ऑपरेशन जागृति के तहत नारी सशक्तिकरण की कार्यवाही के अनुक्रम में समाज में नारी सुरक्षा व सम्मान एवं नारी स्वावलंबन हेतु जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने–अपने थाना क्षेत्रो में महिला पुलिसकर्मी (शक्ति दीदी) व पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में जाकर भीड़–भाड़ वाले इलाकों कस्बों, गांवों चौपाल लगाकर महिलाओं बालिकाओं छात्र–छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न पैतरों के साथ–साथ उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नम्बरो 1090–वीमेन पॉवर लाइन 181–महिला हेल्प लाइन 108–एम्बुलेंस सेवा 1076दृमुख्यमंत्री हेल्पलाइन 112–पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098–चाइल्ड लाइन 102–स्वास्थ्य सेवा,1930– साइबर क्राइम तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ–साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में भी जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किया गया । इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों की एन्टी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख चौराहो, पार्को एवं भीड–भाड वाले स्थानो के आस–पास चेकिंग कर मनचलों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत अभियान चलाया गया ।

जनपद स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया

चर्चा आज की फतेहपुर ब्यूरो

फतेहपुर जनपद सरदार वल्लभ भाई पटेल प्रेक्षागृह फतेहपुर में जनपद स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक जहानाबाद राजेंद्र सिंह पटेल, विधायक अयाहशाह श्री विकास गुप्ता विधायक खागा श्रीमती कृष्णा पासवान, मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों को अंगवस्त्र व पौध देकर हरित स्वागत किया गया।

कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा दिये गए सूत्रवाक्य पंचप्रण(विकसित भारत का निर्माण, गुलामी की हर सोंच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकतादृएकजुटता, नागरिक कर्तव्य)की थीम पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत लोक गीत, लोकनृत्य, कहानी व कविताश लेखन पेटिंग एवं फोटोग्राफी आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिता में स्कूली छात्रछात्राओ द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी में लाए गए तरह–तरह के विज्ञान मॉडल रहे जिनका उक्त अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया । इस मौके पर अतिथियों ने युवा वर्ग को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए जनपद के युवा वर्ग की उर्जा को सराहा तथा प्रतिभागियों की कला प्रदर्शन की भूरि–भूरि प्रशंसा की गई। साथ ही माननीयों ने बच्चों को मंडल स्तर एवं राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया गया।

पुलिस ने युवक के अपहरण का आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

ब्यूरो उन्नाव

उन्नाव थाना सफीपुर पुलिस द्वारा अपहरण के आरोपी को गिरफ्तार किया गया। रवि पुत्र रमेश उम्र करीब 26 वर्ष निवासी ग्राम परियर थाना सफीपुर जनपद उन्नाव द्वारा थाना सफीपुर पर तहरीरी सूचना दी कि दिनांक 25.11.2024 को रात्रि को समय करीब 01.00 बजे वह लवकुश गेस्ट हाउस में एक शादी समारोह में फोटो ग्राफी कर रहा था तभी मेरी भाभी की बुआ का लड़का अंकित पुत्र कल्लू निवासी ग्राम रनागढ़ी थाना माखी अपने दो अन्य साथी नाम पता अज्ञात के साथ अपनी स्कार्पियो गाड़ी स0 न्च 77ै 5259 से आया और मुझे जबरदस्ती गाड़ी में डालकर ले जाने लगा मेरे द्वारा उसका विरोध किया गया तो उपरोक्त सभी लोगो द्वारा मेरे साथ मारपीट की गई। तथा मुझे जबरदस्ती गाड़ी में डालकर ले जाने लगे ।

संदिग्ध उर्वरक मिलने पर लोडर को सीज कर कराई गयी एफआईआर

ब्यूरो उन्नाव

विशेष सूत्रो द्वारा बन्थर के मजरा उमेदखेड़ा में नकली डी0ए0पी बेचे जाने के सम्बन्ध में मिली थी सूचना। जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर किया गया स्थलीय निरीक्षण।

निरीक्षण के दौरान मौके पर कृषक के घर से 25 बैग डी0ए0पी0 (इफको) मिली।

पूछे जाने पर कृषक द्वारा अवगत कराया गया कि श्री राहुल राजपूत पुत्र बिलाक ग्राम–नवाबगंज द्वारा आपूर्ति की गयी है।

मौके पर उपस्थित श्री राहुल राजपूत के द्वारा बताया गया कि उपरोक्त डी0ए0पी0 श्री दिलीप साहू के द्वारा मुझे दी गयी है।

अधोहस्ताक्षरी द्वारा मांगे जाने पर कोई भी अभिलेखीय साक्ष्य नहीं दिखा पाये। मौके पर पायी गयी 25 बैग (इफको) डी0ए0पी0 संदिग्ध प्रतीत होने पर नियमानुसार एक नमूना लिया गया, जिसे विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला भेजा जायेगा। साथ ही उक्त संदिग्ध 25 बैग डी0ए0पी0 को कमरे में सील कर दिया गया। साथ ही वाहन चालक श्री सुमित पुत्र रामेश्वर ग्राम–चाँदपुर बिछिया द्वारा कोई भी उक्त डी0ए0पी0 सम्बन्धी अभिलेखध चालान प्रस्तुत न किये जाने के कारण लोडर को भी सीज करने हेतु चौकी बदरका थाना अचलगंज को सुपुद किया गया।जिलाधिकारी उन्नाव महोदय के अनुमति के उपरान्त उर्वरक नियंत्रण आदेश–1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम–1955 की सुसंगत धारा 3ध्7 (ई0सी0 एक्ट) एवं अन्य सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई जायेगी। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि अवैध रूप से उर्वरकों की कालाबाजारी करने वाले बिक्रेताओं के विरूद्ध यह अभियान निरंतर चलता रहेगा। वर्तमान समय में जनपद में समस्त उर्वरक उपलब्ध है। जनपद के प्रत्येक क्षेत्र में उर्वरक की कोई कमी नही है।

दुष्कर्म कांड के सी0बी0आई0 के मुख्य गवाह ने एसपी ऑफिस पहुंच कर एसपी से सुरक्षा दिलाने की मांग की

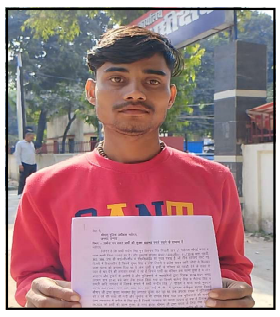

ब्यूरो उन्नाव

उन्नाव। थाना माखी के सौंदई मजरा के रहने वाले पीड़ित संदीप सिंह ने एसपी ऑफिस पहुंच कर एसपी उन्नाव से सुरक्षा दिलाने की मांग की है।

बता दे कि पीड़ित माखी दुष्कर्म कांड के सी०बी०आई० के मुख्य गवाह ने आज एसपी ऑफिस पहुंच कर एसपी से सुरक्षा दिलाने की मांग की है पीड़ित ने बताया है कि उसकी सुरक्षा ले ली गई है जिसके चलते उसकी जान माल की सुरक्षा को खतरा है, पीड़ित ने बताया कि उसको अपना घर छोड़ कर दूसरी जगह घर ले कर रहना पड़ रहा है। बताया की आरोपियों की उच्च न्यायलय से रिहाई के बाद उनकी जान का खतरा बढ़ गया है। पीड़ित ने बताया कि उसकी सुरक्षा 19 सितंबर को वापस ले ली गई जिसके चलते पीड़ित की जान माल का खतरा बढ़ गया है। जिसके चलते उसके साथ कोई भी घटना घट सकती है। जिसके चलते आज एसपी ऑफिस पहुंच कर पीड़ित संदीप सिंह ने एसपी से सुरक्षा दिलाने की मांग की है। पीड़ित संदीप ने बताया है कि पुलिस अधीक्षक ने एल आई यू को जांच कराने को बताया है।

महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओ

चर्चा आज की फतेहपुर ब्यूरो

फतेहपुर जनपद क्रियांवयन के संबंध में कलेक्ट्रेट महात्मा गॉधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर, मिशन वात्सल्य योजना, मिशन शक्ति "अम्ब्रेला स्कीम", विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, उ0 प्र0 रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोश इत्यादि योजनाओ की बिंदुवार समीक्षा की, के दौरान उन्होंने बैठक की कार्ययोजना न प्रस्तुत कर पाने पर जिला प्रोबेशन अधिकारी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि समीक्षा बैठक मे अद्यतन सूचनाओ के साथ उपस्थित हों। उन्होंने बाल कल्याण समिति रजिस्टर में गुमशुदा बच्चों के अंकन की जानकारी ली और कहा कि जो बच्चे श्रम विभाग, पुलिस विभाग, चाईल्ड लाईन द्वारा पुनर्वासन के लिए उपलब्ध कराये गए है, बेसिक शिक्षा अधिकारी से समन्वय स्थापित कर सभी बच्चों का शैक्षिक पुनर्वासन सुनिश्चित करे, तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये की शैक्षिक पुनर्वासन प्राप्त बच्चों की उपस्थिति एवं गतिविधियों की निगरानी अपने स्तर से करते रहे। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा विभागीय योजनाओ के संचालन की समीक्षा करें, तथा बाल कल्याण समिति को निर्देश दिये कि जो भी बच्चे पुनर्वासन के लिए प्राप्त होते है उनकी निगरानी कर रजिस्टर मेंटेन करे और प्राप्त बच्चों की लिखित रिपोर्ट से अवगत कराये इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी श्री पवन कुमार मीना, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, समिति के सदस्य सहित सम्बंधित उपस्थित रहे।

शासन एवं प्रशिक्षण एवं सेवा योजना विभाग के संकल्प हर परिवार को रोजगार उपलब्ध कराकर उसे आत्मनिर्भर बनाने हेतु

चर्चा आज की फतेहपुर ब्यूरो

फतेहपुर हर्ष लालवानी, जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन एवं प्रशिक्षण एवं सेवायोजन विभाग के संकल्प हर हाथ हर परिवार को रोजगार उपलब्ध कराकर उसे आत्मनिर्भर बनाने हेतु जिला सेवायोजन कार्यालय फतेहपुर द्वारा दिनांक 26 नवम्बर, 2024 को प्रातः 11रू00 बजे भिटौरा विकास खंड परिसर फतेहपुर में प्लेसमेन्ट शिविर व करियर काउन्सिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 59 प्रतिभागी अभ्यर्थियों की कॅरियर काउन्सिलिंग की गयी। शिविर में प्रतिभागी कंपनी जी.डी. एक्स सिक्योरिटी, नोएडा के प्रतिनिधि श्री रामकृष्ण सिंह द्वारा 28 अभ्यर्थियों का सुरक्षा गार्ड ध सुरक्षा सुपरवाइजर पद हेतु रू.15000 से 18000 तक प्रतिमाह वेतन पर चयन सम्बन्धी कार्यवाही की गयी। कार्यक्रम जिला सेवायोजन अधिकारी के दिशा–निर्देशन में श्री शशॉक पान्डेय, प्रभारी रोजगार मेला, जिला सेवायोजन कार्यालय, फतेहपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में चन्द्र किशोर द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

थाना थरियांव पुलिस द्वारा अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

चर्चा आज की फतेहपुर ब्यूरो

फतेहपुर जनपद पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछितवारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 27.11.2024 को थाना थरियांव पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 256ध्24 धारा 65(1) बीएनएस, = पॉक्सो एक्ट एवं 3(2)5 एससी एसटी एक्ट से सम्बंधित वांछित अभियुक्त राजेश सिंह पुत्र बलराम सिंह निवासी आशिकपुर औरइया मजरे अचिंतपुर पिटाई थाना थरियांव जनपद फतेहपुर उम्र करीब 54 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते परियर गाँव बना नर्क

ब्यूरो उन्नाव

उन्नाव, विकास खण्ड सिकन्दरपुर सरोसी के ग्राम पंचायत परियर में जिम्मेदारों की अनदेखी व लापरवाही के चलते सभी रास्ते और नालियाँ हुई कीचड़ युक्त , साफ सफाई के नाम पर एक या दो नालियाँ छोडकर कही नही दिखाई देते सफाई कर्मी द्य

विकास खण्ड सिकन्दरपुर सरोसी की ग्राम पंचायत परियर इस पंच वर्षीय मे विकास के लिए पूरी तरह तरशता रहा है द्य न ही कोई रास्ता सही कराया गया न ही कोई नाली सही हुई द्य विकास के नाम पर शून्यता ही हिस्से में आई द्य ऐसे लापरवाह जिम्मेदारों पर कभी किसी अधिकारी या जनप्रतिनिधि की नजर भी नहीं पडी द्य ग्रामीण जन कीचड़ भरे रास्तों से निकलने को मजबूर है विद्यालय जाने वाले छात्र, छात्रायें हों अध्यापक वर्ग हो या आम जनमानस सभी को इन रास्तों में भरे पानी और कीचड़ से ही होकर अपने गंतव्य को जाना होता है जिसमें फिसल कर कई बार लोग गिरने के कारण चोटिल हुए है द्य परियर गाँव में इण्टर कालेज वाला रास्ता हो या फिर बद्री प्रसाद इण्टर कालेज से दांयी ओर जानकी कुण्ड की ओर का रास्ता हो चाहे मेन रोड से जानकीपुरवा की तरफ का रास्ता हो या फिर आर्यावर्त ग्रामीण बैंक से पोस्ट आफिस का रास्ता हो सभी रास्ते ध्वस्त और खस्ताहाल व कीचड़ से भरे है जिनकी अनेकों बार प्रार्थना पत्र दिया गया किंतु सेक्रेटरी की लाचारी के चलते कोई कार्य नहीं हो पा रहे हैंद्य सेक्रेटरी की लाचारी की वजह ग्राम प्रधान की निष्क्रियता व हठ,जिसका खामियाजा जनता भुगत रही हैद्य गाँव की सभी नालियों की सफाई के नाम पर खानापूर्ति ही की जाती है बाकी इन रास्तों के आसपास बसे लोग ही स्वयं सफाई करते हैं , लेकिन धन्य परियर पंचायत प्रतिनिधि , जिन लोगो के वोटों से जीत कर आते है उन्ही लोगों को नरक की जिन्दगी जीने पर मजबूर किए हैं , न ही उन ग्रामीणों की कोई सुनने वाला है और न ही हाल जानने वाला द्यअपनी व्यथा सुनाते रामप्रसाद रावत, संतोष निषाद, श्याम, बाबूराम, रामशंकर, पिन्टू, तारा, ईश्वरी जमुना कश्यप, दीपक सविता आदि

अभियान चलाकर 04 किशोर एवं बाल श्रमिकों का चिन्हांकन कर कार्यवाही की गई

ब्यूरो उन्नाव

उन्नाव। उ०प्र० शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा समय–समय पर निर्गत आदेशों के अनुपालन में आज दिनांक 25.11.2024 को स्टेशन रोड़, जनपद उन्नाव में संजय कुमार शुक्ला, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, उन्नाव द्वारा श्री शैलेन्द्र यादव एवं अब्बास, सब इन्सपेक्टर, ए०एच०टी०, उन्नाव एवं दिवाकर ओझा, चाइल्ड लाइन, उन्नाव के साथ संयुक्त रूप से अभियान चलाकर होटल, रेस्टोरेण्ट एवं मोटर गैराज आदि 04 प्रतिष्ठानों का बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत निरीक्षण करते हुए 04 बाल एवं किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन किया गया। उल्लंघनकर्ता सेवायोजकों के विरूद्ध स्थल पर ही निरीक्षण टिप्पणी जारी की गयी तथा नियमानुसार विधिक कार्यवाही अपनायी जायेगी। जनपद में संचालित समस्त प्रतिष्ठानों ध दुकानों के सेवायोजकों से अपील है कि जनपद को बाल श्रम मुक्त बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

(एस० एन० नागेश)
सहायक श्रमायुक्त,
उन्नाव।

ई रिक्शा पलटने से चालक की दबकर हुई मौत

ब्यूरो उन्नाव

उन्नाव। मौरांवा थाना क्षेत्र का रहने वाला एक ई रिक्शा चालक रिक्शा लेकर दही थाना क्षेत्र से होते हुए शहर जा रहा था। इसी दौरान ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया और नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। घटना सूचना पर पहुँची दही थाना पुलिस ने मृतक रिक्शा चालक के शव को कब्जे में ल ` क र पोस्टमार्टम के लिए भेजा है घटना पर पहुंच जांच पड़ताल की है। जानकारी के अनुसार मौरांवा नयागांव के रहने वाले अरुण कुमार कुशवाहा पुत्र सियाराम कुशवाहा बुधवार को अपना बैटरी ई रिक्शा लेकर दही थाना क्षेत्र के तोरा की तरफ जा रहे थे इसी दौरान रिक्शा अनियंत्रित होकर मेन रोड से खंती में पलट गया। रिक्शा पलटने से चालक अरुण कुमार उसके नीचे दब गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। एक्सीडेंट की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे पुलिस ने अरुण को एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पहचान के बाद घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। मोर्चरी हाउस पहुंचे परिजन रो–रोकर बेहाल होते रहे। पत्नी सरोजनी ने बताया कि उसके चार बच्चे हैं एक बेटा और तीन बेटियां हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना को लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है तहरीर के आधार पर जांच पड़ताल की जा रही है।

प्रदेश के मंत्री बोले- इजराइल में बढ़ रही कुशल युवाओं की मांग, यहां के युवा बनाएंगे नया इजराइल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के युवा खेती, उद्योग से लेकर सॉफ्टवेयर तक हर क्षेत्र में नए कौशल सीख रहे हैं। वर्तमान में इजराइल में कुशल भारतीय युवाओं की मांग बढ़ रही है। भारत–इजराइल ड्राइव 3.0 में 5 हजार लोगों को इजराइल भेजा जाएगा। नया इजरायल कुशल भारतीय युवा पीढ़ी के हाथों बनेगा। बुधवार को यूपी सरकार के कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल भारत–इजराइल ड्राइव 3.0 को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पीएम विश्वकर्मा योजना का भी शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के कुशल श्रमिकों को इजराइल में रोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें वैश्विक मंच पर पहचान और बेहतर भविष्य का मार्ग मिल रहा है। इजराइल सरकार के साथ हुए एमओयू के तहत अब तक 9,000 से अधिक श्रमिकों को इजराइल में रोजगार मिल चुका है। इन श्रमिकों को भवन निर्माण, मॉल प्रबंधन और तकनीकी कार्यों में काम करने के अवसर दिए जा रहे हैं, जहां उन्हें 1.25 लाख से 1.5 लाख रुपये तक का मासिक वेतन प्राप्त हो रहा है।

श्रमिकों की भाषा एवं कौशल दक्षता को सुधारने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि उन्हें कार्यस्थल पर किसी प्रकार की परेशानी न हो। युवाओं को डिमांड आधारित प्रशिक्षण देकर उन्हें ऐसे क्षेत्रों में तैयार किया जा रहा है जहां उनकी सक्षमता और हुनर का बेहतर उपयोग हो सके।

यह पहल केवल रोजगार देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इजराइल से अनुभव प्राप्त कर लौटने वाले श्रमिक नए रोजगार सृजन और अपने व्यवसाय को और अधिक उन्नत करने में भी सक्षम हो रहे हैं। योगी सरकार का यह अभूतपूर्व कदम राज्य के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने, उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने और प्रदेश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

डाकघरों से 10 रुपये का पोस्टल आर्डर नदारद, लोग परेशान

सोहावलध्अयोध्या । क्षेत्रीय डाकघरों से 10 रुपये का पोस्टल आर्डर गायब हो चुका है। इसे लेने वाले खरीदारों के गले 10 की जगह 20 का पोस्टल आर्डर डाक कर्मी डाल रहे है। जन सूचना मांगने वालों के लिए भारत सरकार के द्वारा 10 रुपये का ही पोस्टल आर्डर मांग किए जाने से इसकी खपत आम लोगों में ज्यादा थी जिन्हें अब दुगनी कीमत अदा करना पड़ रहा है।

बड़ागांव, सोहावल, रौनाही, ड्योढी बाजार जैसे उपडाकघरों से गायब हो चुके इन पोस्टल ऑर्डरों की बाबत पूछे जाने पर एसएसपी डाक एचके यादव ने बताया पिछले कुछ महीनों से 10 रुपये के पोस्टल ऑर्डर की आपूर्ति नहीं हो रही है। शासन में शायद ई पोस्टल व्यवस्था के तहत कोई नई व्यवस्था लाने की तैयारी है।

मुख्यालयों पर अभी बचे खुचे 10 रुपये के पोस्टल आर्डर की खपत किया जा रहा है। इसलिए उप डाकघर पर ऐसे पोस्टल आर्डर अब नहीं मिल पा रहे हैं। दस रुपये के पोस्टल आर्डर न होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दर्दनाक हादसा : दो चचेरे भाइयों की करंट लगने से मौत, आपस में चिपके मिले शव

अयोध्या ।। कैंट थाना क्षेत्र के रेतिया बंदे अली की छावनी में मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। परिवारीजनों ने दुकान का शटर खोला तो चचेरे दो भाई के शव आपस में चिपके मिले। बिजली का मीटर और केबल आदि जला हुआ था। मामले की खबर फैली तो क्षेत्र में हलचल मच गई। पुलिस ने घटनास्थल की विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम से जांच कराई है और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। बताया गया कि इसी थाना क्षेत्र के नया पुरवा कुर्मी टोला निवासी अजय श्रीवास्तव के लडके ने नियावां से जमथरा घाट की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर बंदे अली की छावनी स्थित एक दुकान में दोना पत्तल बनाने की मशीन लगा रखी थी। जिसमें उसके परिवार के अन्य लोग भी काम करते थे। पारिवारिक जनों का कहना है कि सोमवार की रात लगभग 10रू30 बजे घर से खा पीकर अवनीश श्रीवास्तव उर्फ अनी (25) पुत्र स्वर्गीय अजय श्रीवास्तव तथा उनका चचेरा भाई शिवम श्रीवास्तव (18) पुत्र मनोज श्रीवास्तव दुकान पर गए थे।

हालांकि रात में वापस नहीं लौटे। परिवारीजनों ने सोचा कि सहालग का सीजन होने के चलते हो सकता है कि ऑर्डर के चलते दोना पत्तल बना रहे होंगे। मंगलवार की सुबह भी दोनों घर वापस नहीं लौटे तो परिवारीजनों ने फोन लगाया और फोन ना उठने पर दुकान पर पहुंचे तो देखा कि शटर गिरा हुआ है। शटर को उठाया तो भीतर खौफनाक मंजर नजर आया। शटर के पास ही अवनीश और शिवम का शव पड़ा था। बिजली के मीटर और मुख्य केबल समेत दुकान के आधे हिस्से में लगी दोना पत्तल की मशीन जली हुई थी। इसके बाद मामले की खबर पुलिस को दी गई तो सीओ सिटी के नेतृत्व में थाना कैंट के साथ नगर कोतवाली और महिला थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने प्राथमिक जांच पड़ताल के बाद विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम बुला साक्ष्य संकलन कराया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। परिवार के संजय श्रीवास्तव ने बताया कि हादसे में उनके दो भतीजों की मौत हुई है। क्षेत्राधिकारी नगर शैलेंद्र सिंह का कहना है कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। प्राथमिक जांच पड़ताल में आशंका जताई जा रही है कि बिजली की शॉर्ट सर्किट के चलते करंट शटर में उतर आया और इनमें से एक ने शटर खोलने की कोशिश की तो वह करंट की चपेट में आ गया। उसको बचाने के चक्कर में दूसरा भी हादसे का शिकार हो गया।

अधूरे पुलों के पहुंच मार्ग पर बनेगी 1.5 मीटर ऊंची दीवार, बरेली हादसे के बाद शासन ने लिया फैसला

अधूरे और क्षतिग्रस्त पुलों के पहुंच मार्ग पर डेढ़ मीटर ऊंची आरसीसी की दीवार बनाई जाएगी। बरेली में हुए हादसे के बाद पीडब्ल्यूडी मुख्यालय ने सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं को इस संबंध में दिशा–निर्देश जारी किए हैं।

निर्देशों में कहा गया है कि असुरक्षित, क्षतिग्रस्त और अधूरे पुलों पर वाहनों के आवागमन को रोकने के लिए तीन दीवारें निर्मित होंगी। पहली दीवार संवेदनशील स्थल से 20–25 मीटर दूरी पर, दूसरी दीवार 50–100 मीटर की दूरी पर और तीसरी एप्रोच रोड पर दोनों ओर बनाई जाएगी। यह भी निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे सेतुओं का सहायक अभियंता सप्ताह में एक बार, अधिशासी अभियंता व अधीक्षण अभियंता 15 दिन में एक बार और मुख्य अभियंता महीने में एक बार निरीक्षण करेंगे।

प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में अगले साल आयोजित होने वाले महाकुंभ मेले को अच्छे से संपन्न कराने के लिए 25 पीसीएस अधिकारी और 16 और नायब तहसीलदारों की तैनाती की है। नियुक्ति और राजस्व परिषद की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। महाकुंभ के लिए बनाए जाने वाले सेक्टरों का प्रभारी पीसीएस अधिकारियों को बनाया गया है और उनके साथ तहसीलदार व नायब तहसीलदारों को लगाया गया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में एक दूजे के हुए 114 जोड़े

अयोध्या । समाज कल्याण विभाग की ओर से आरटीएस कालेज नरौली के प्रांगण में मंगलवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 114 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। जिसमें रुदौली ब्लॉक के 85 व मवई ब्लॉक से 29 जोड़े शामिल रहे।

मुख्य अतिथि भाजपा विधायक राम चन्द्र यादव और अन्य अतिथियों ने सभी नव दंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खण्ड विकास अधिकारी रुदौली अमित त्रिपाठी व खंड विकास अधिकारी मवई भावना यादव ने सभी को सरकार की तरफ से 10 हजार रुपये के सामान पायल, बिछुआ, गैस चूल्हा आदि दिया। बताया 35 हजार रुपये उनके खाते में भेजे गए। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गरीबों की बेटियों के हाथ पीले करने का कार्य कर रही है किसी भी गरीब को बेटी की शादी के लिए अब कर्ज लेने की जरूरत नहीं है। पगड़ी पहने दूल्हों के गले में जब लाल चुनरी में सजी दुल्हनों ने वरमाला पहनाई और लोगों ने पुष्प वर्षा की तो बेटियों की आंखों में खुशी के आँसू झलक पड़े। इस अवसर पर कलाकारों ने वैवाहिक गीतों से समा बांधा।

विधायक ने निभाई पिता की भूमिका, घराती बने रहे अफसर

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में वर–वधू के पक्षों ने भोजन भी किया। बीडीओ अमित त्रिपाठी व भावना यादव घराती बन घूम–घूम कर लोगों से भोजन आदि के लिए पूछते दिखे। बेटियों को उपहार देते समय विधायक अभिभावक की भूमिका में नजर आए। पिता की भूमिका का निर्वाहन करते हुए विधायक रामचंद्र यादव भावुक दिखे। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी रणविजय सिंह, गन्ना समिति चेयरमैन निर्मल शर्मा, तेज तिवारी, एडीओ आईएसबी भगवान दीन, एडीओ पंचायत अरुण वर्मा, अंकुर यादव, लालजी चौरसिया, एडीओ समाज कल्याण रवीश कुमार मिश्रा, ब्लॉक रुदौली व मवई के सभी अधिकारियों सहित अन्य मौजूद रहे।

अयोध्या : बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम में विसंगति को लेकर फंसे हाईस्कूल व इंटर के परीक्षार्थी

अयोध्या । माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से घोषित बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम को लेकर पहली बार कई विसंगतियां सामने आई हैं। इसे लेकर परीक्षार्थी दोनों पालियों में परीक्षा देने को लेकर काफी परेशान हैं। परीक्षार्थियों ने बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम में संशोधन को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का चक्कर लगाने शुरू कर दिए हैं। इतना ही नहीं हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के कई विषयों के परीक्षार्थियों को भी तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों का कहना है यदि परीक्षा कार्यक्रम में संशोधन नहीं किया जाता है तो उन्हें बड़ी परेशानी का सामना करना पडेगा। इस वर्ष बोर्ड परीक्षा कार्यक्रम की जो समय सारिणी निर्धारित की गई है अब उसमें तमाम विसंगतियों का सामना परीक्षार्थी को करना पड़ रहा है। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए घोषित कार्यक्रम में कुछ विषयों में समय अंतराल को लेकर आपत्ति जताई गई है। विसंगति दूर कर संशोधन किए जाने की मांग की गई है। हाईस्कूल के परीक्षार्थियों अशोक कुमार सैनी, महेश प्रजापति, सौरभ अग्रवाल का कहना है कि परीक्षा कार्यक्रम में एक मार्च 2025 को प्रथम पाली में हाईस्कूल गणित एवं द्वितीय पाली में हाईस्कूल आटोमोबाइल और वाणिज्य विषय की परीक्षा है तथा चार मार्च को प्रथम पाली में हाईस्कूल विज्ञान व द्वितीय पाली में हाईस्कूल कृषि विषय की परीक्षा है। इसी तरह प्रथम पाली में इंटरमीडिएट वाणिज्य वर्ग के लिए लेखाशास्त्र विषय तथा द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट अर्थशास्त्र की परीक्षा प्रस्तावित है। चूंकि हाईस्कूल में विज्ञान अनिवार्य विषय है, इसलिए जो छात्र प्रथम पाली में विज्ञान की परीक्षा देंगे वही छात्र द्वितीय पाली में कृषि विषय लिए होने पर उसकी भी परीक्षा देंगे। इसी तरह इंटरमीडिएट वाणिज्य वर्ग के छात्र सुबह की पाली में लेखाशास्त्र विषय की परीक्षा देंगे और अर्थशास्त्र भी विषय पढ़ने वाले परीक्षार्थी द्वितीय पाली में अर्थशास्त्र की भी परीक्षा देंगे। छात्रों का कहना है कि दोनों पालियों में परीक्षा का कार्यक्रम विसंगतियों से भरा हुआ है। इंटरमीडिएट के छात्रों ने बताया कि सुबह लेखाशास्त्र की परीक्षा दे और दूसरी पाली में अर्थशास्त्र ऐसा कैसे संभव है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी ने बताया परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक संशोधन की आवश्यकता है, छात्रों की ओर से प्रार्थना पत्र भी आया है।

अब किसानों की नई पहचान बनेगा फार्मर रजिस्ट्री कार्ड, एक क्लिक पर मिलेगी ये जानकारी

अयोध्या । जिले के सभी किसानों के अब फार्मर रजिस्ट्री कार्ड बनाए जाएंगे, जो किसानों की समस्याओं को हल करने और सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। जिन किसानों की कृषि भूमि जिले के अलग–अलग हिस्सों या प्रदेश के अन्य जिलों में है, उन्हें अब सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और ऋण प्राप्त करने में किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा।

फार्मर रजिस्ट्री कार्ड में किसान की पूरी जानकारी, जैसे आधार नंबर, खसरा–खतौनी नंबर और भूमि आदि का विवरण दर्ज होगा। यह कार्ड किसानों को न केवल प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद करेगा, बल्कि ध ान–गेहूं की खरीद और फसली ऋण जैसी सेवाओं में भी पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा।

इस कार्ड से किसान प्रदेश के किसी भी हिस्से में अपनी भूमि की जानकारी देकर आसानी से सुविधाएं प्राप्त कर सकेंगे। फार्मर रजिस्ट्री कार्ड बनने से सरकारी योजनाओं में होने वाले फर्जीवाड़े पर रोक लगेगी। धान और गेहूं की खरीद में अब केवल उन्हीं किसानों को लाभ मिलेगा, जिनकी जानकारी इस रजिस्ट्री कार्ड में दर्ज होगी। इससे बिचौलियों और फर्जी किसानों पर शिकंजा कसेगा।

खरीद में आयेगी पारदर्शिता, फसली ऋण में होगी आसानी

फार्मर रजिस्ट्री कार्ड बनने से प्रध ानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की सभी किस्तें सीधे पात्र किसानों के खातों में पहुंचेंगी। धान–गेहूं की खरीद में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। किसान अब रजिस्ट्री कार्ड के जरिए फसली ऋण के लिए आसानी से आवेदन कर सकेंगे। कृषि विभाग की सभी योजनाओं का लाभ किसानों तक सीध े पहुंचेगा।

सम्मान निधि के लिए कार्ड किया गया अनिवार्य प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब किसानों के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी गई है। यदि किसान की फार्मर आईडी नहीं होगी, तो उन्हें योजना की आगामी किस्तें नहीं मिल सकेंगी। फार्मर आईडी रजिस्ट्रेशन के लिए किसानों को अपने आधार कार्ड, खेत का खसरा नंबर और अन्य आवश्यक जानकारी देनी होगी। सभी दस्तावेज ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे।

फार्मर रजिस्ट्री कार्ड बनाने की योजना का शुभारंभ 25 नवंबर को शुरू होगा।जिलेभर में शिविर लगाए जाएंगे, जहां किसान अपने दस्तावेज जमा कर रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी करवा सकेंगे। रजिस्ट्री के लिए जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड, खसरा खतौनी की जानकारी और बैंक खाते का विवरण शामिल होगा–ओपी मिश्रा, जिला कृषि अधिकारी

अयोध्या : पैमाइश के बाद अमौना में कचरा प्रबंधन केंद्र की स्थापना का रास्ता साफ

सोहावल/अयोध्या । स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत गांव–गांव बनाए जा रहे हैं कचरा प्रबंधन केंद्र की स्थापना के लिए मंगलवार को तहसीलदार की मौजूदगी में मसौधा के अमौना राजस्व गांव में भूमि स्थल की पैमाइश कर चिह्नांकन कर दिया गया।

इसके लिए राजस्व कर्मियों को लगभग दो घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। ग्राम प्रधान राजकुमार की माने तो केंद्र के लिए निर्माण धनराशि आवंटन होने के बावजूद पंचायत के कुछ लोगों ने चयनित भूमि के आसपास कब्जा कर रोड़ा डाल रक्खा था। जिनकी पैमाइश कर राजस्व विभाग ने निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। तहसीलदार सुमित सिंह ने बताया कि स्वच्छता मिशन कार्यक्रम के तहद गांव पंचायतों में ऐसे केंद्र की स्थापना कराई जा रही है। अमौना में चयनित भूमि को आसपास के कुछ ग्रामीणों ने जबरन कब्जा कर लिया था। शिकायत पर स्थलीय पैमाइश कराई गई और भूमि कब्जेदारों से मुक्त करा दी गई है।

संविधान दिवस सच्चे मन से निभाने वाला फर्ज : अखिलेश यादव

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविध ान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान ही संजीवनी है।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तंज कसते हुए लिखा, ष्संविधान को मानना और उसके दिखाए रास्ते पर चलना ही सबसे बड़ा उत्सव है। ये हर दिन सच्चे मन से निभाने वाला फर्ज है, कोई दिखावटी सालाना जलसा नहीं। एक तरफ भाजपा संविधान को ताक पर रखकर मनमानी करना चाहती है, तो दूसरी तरफ दिखावा करना चाहती है। भाजपा का ये राजनीतिक दोहरापन देश और देशवासियों के लिए घातक है। जब संविधान के मान–सम्मान और उसे व्यवहार में लाने के संबंध में हालात बद से बदतर हो रहे हैं, संविधान का हर दिन तिरस्कार–अपमान हो रहा है, ऐसे में उत्सव मनाना हमारे सिद्धांतों के खिलाफ है। उत्सव में ढोंग नहीं होना चाहिए। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर अपने संदेश में कहा,ष्भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ ।

पैसा लेकर ट्रक छोड़ने के आरोप में राज्य कर में सहायक आयुक्त सहित दो सस्पेंड, विभाग में खलबली

राज्य कर विभाग में सहायक आयुक्त और राज्य कर अधिकारी को पैसा लेकर ट्रक छोड़ने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। सहायक आयुक्त अपूर्वा पटेल और राज्य कर अधिकारी नरेश कुमार मेरठ सचल दल में तैनात हैं। दोनों के निलंबन का आदेश प्रमुख सचिव एम. देवराज ने मंगलवार देर शाम जारी कर दिया। ताजा कार्रवाई के बाद पहले से ही विभाग में मची खलबली और तेज हो गई है। शासनादेश के मुताबिक द सन एंड मून कंपनी का माल लदा ट्रक हरियाणा से हल्द्वानी जा रहा था। 25 अक्तूबर को ट्रक रोककर मेरठ सचल दल इकाई तृतीय की सहायक आयुक्त अपूर्वा पटेल और राज्य कर अधिकारी नरेश अग्रवाल ने जांच की थी।

बताया जाता है कि ट्रक में गिफ्ट आइटम थे। इस मामले में पैसा लेकर ट्रक को छोड़ने की शिकायत हुई थी, जिसके जांच के आदेश दिए गए थे। जांच में शिकायत प्रथमदृष्टया सही पाई गई, जिसके बाद दोनों अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। दोनों अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद पूरे प्रकरण की जांच के लिए विशेष सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक विजय कुमार को नियुक्त किया गया है। निलंबन की अवधि तक दोनों अधिकारी अपर आयुक्त ग्रेड–1 झांसी से संबद्ध रहेंगे। इससे पहले 11 वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। ये कार्रवाईयां आदेशों का अनुपालन न करने और राजस्व वृद्धि का टारगेट पूरा न करने की वजह से की गई थी।

गाय ने सांड के साथ लिए सात फेरे, ढोल मृदंग की धुन पर महिलाएं करती रही नृत्य

अयोध्या । गो नंदीश्वर कल्याण के साथ गोवंश वृद्धि के लिए कारसेवकपुरम श्रीराम गोशाला में गो–विवाहोत्सव का आयोजन किया गयाद्य इस दौरान गो–भक्तों ने गाजेबाजे के साथ गो नंदी और गो कन्या का विवाह संपन्न कराया।

उत्तर आंध्र प्रदेश गोरक्षा विभाग के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एम चंद्रशेखर दम्पति ने यज्ञशाला मंदिर में विधि विधान से नंदीश्वर मंत्र के साथ गोकन्या एवं नंदी का विवाह संपन्न करायाद्य हैदराबाद के आचार्य के पार्वतीश्वर शर्मा ने मन्त्रोच्चार के बीच अक्षत, रोली, पुष्प, वस्त्र आदि भेंट करते हुए समस्त गोवंश को फल–मिष्ठान खिलाया।

मन्त्रोचार के साथ हुए हवन के बाद लगभग दो दर्जन से अधिक महिलाओं ने ढोल मृदंग की धुन पर नृत्य कियाद्य इस दौरान वादकों को नेग तथा मिष्ठान वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में सरोजिनी, विश्व हिंदू परिषद के उमेश पोरवाल, वीरेंद्र, मनीष, अभिषेक, मनोज ओझा आदि मौजूद रहे। मान्यता के अनुसार, गाय और सांड का विवाह पितृ शांति और वंश वृद्धि के लिए करवाया जाता है, लेकिन धार्मिक विद्वानों कि मानें तो गाय और नंदी की शादी का कहीं उल्लेख नहीं है। हालांकि, यह विवाह लोगों की धार्मिक भावनाओं का प्रतीक है।

प्रेग्नेंसी में रुकावट पैदा कर सकते हैं ये फूड आइटम्स, भूलकर भी न करें सेवन

हर महिला के लिए बच्चे को इस दुनिया में लाना सबसे खुशी का पल होता है। हालांकि कुछ महिलाओं को प्रेग्नेंसी में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। तो कई महिलाओं को कंसीव करने में समस्या होती है। कंसीव न कर पाने के चक्कर में महिलाओं को बार–बार हॉस्पिटल के चक्कर लगाने पड़ते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि अनहेल्दी आदतें और कुछ खाने की बेकार चीजें भी कंसीव करना मुश्किल बना देती हैं। बता दें कि बहुत सी महिलाएं अनहेल्दी डाइट और पोषक तत्वों से भरपूर भोजन नहीं करती हैं। जो कहीं न कहीं प्रेग्नेंसी में रुकावट का कारण बनती हैं। ऐसे में अगर आप भी फैमिली प्लानिंग कर रही हैं और कंसीव करना चाहती हैं, तो आपको कुछ चीजों को खाना बिलकुल बंद कर देना चाहिए

शराब

प्रेग्नेंसी प्लान करते समय सबसे जरूरी होता है कि आपको शराब आदि का बिलकुल सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप जल्दी कंसीव करना चाहती हैं, तो आपको आज से ही शराब से दूरी बना लेनी चाहिए। क्योंकि शराब स्पर्म काउंट को नुकसान पहुंचा सकता है, जो आगे चलकर आपके बच्चे के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

कैफीन

बहुत सारे लोग अपने दिन की शुरुआत चाय और कॉफी के साथ करते हैं। वहीं दिन में कई बार महिलाएं भी चाय व कॉफी पीती है। अगर आप कंसीव करना चाहती हैं, तो आपको कैफीन से दूरी बना लेनी चाहिए। क्योंकि ज्यादा मात्रा में कैफीन का सेवन करने से गर्भ की म्यूकस में ब्रेन पर बुरा असर पड़ सकता है। जिसके कारण स्पर्म को एग तक पहुंचने में दिक्कत हो सकती है।

अनहेल्दी फैट

बता दें कि पैकेज्ड फूड आइटम्स और प्रोसेस्ड फूड आइटम्स में ट्रांस फैट अधिक मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में अगर आप कंसीव करने का प्रयास कर रही हैं, तो आपको इन चीजों से दूरी बना लेनी चाहिए।

रिफाइंड शुगर

इसके अलावा आपको रिफाइंड शुगर वाली चीजों जैसे – मिठाइयां, पैकेज्ड मिठाइयां और फिजी ड्रिंक्स आदि का सेवन बंद कर देना चाहिए। एक रिपोर्ट के मुताबिक रिफाइंड शुगर वाली चीजों को अधिक खाने से आपका ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। जिससे ओव्यूलेशन डिसऑर्डर का खतरा हो सकता है।

रिफाइंड कार्ब्स

अगर आप भी प्रेग्नेंसी प्लान कर रही हैं, तो आपको सफेद ब्रेड और कुकीज जैसे रिफाइंड कार्ब्स वाले फूड आइटम्स को खाने से बचना चाहिए।

आर्टिफिशियल शुगर

आर्टिफिशियल शुगर वाली चीजों का सेवन करने से ओव्यूलेशन के प्रोसेस पर असर पड़ता है। वहीं इससे टाइप 2 डायबिटीज या दिल की बीमारी की भी संभावना होती है। आप मिठास के लिए शहद और एगेव का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मेटरनिटी लीव खत्म होने के बाद बच्चे की देखभाल करने की हो रही टेंशन, तो अपनाएं ये टिप्स

वर्किंग महिलाओं के लिए मैटरनिटी लीव के बाद ऑफिस जाना बेहद चौलेंजिंग होता है। क्योंकि यह वो समय होता है, जब मां और बच्चे का बॉन्ड डेवलप हो रहा होता है। वहीं इस समय मां अपने बच्चे को ब्रेस्ट फीडिंग भी करवाती हैं। ऐसे में ऑफिस जाने और बच्चे की देखभाल को लेकर न्यू मॉम के लिए प्रेशर झेलना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से ऑफिस और बच्चे की देखभाल के काम को मैनेज कर सकती हैं।

ब्रेस्ट पंप का इस्तेमाल

बता दें कि ब्रेस्ट पंप काफी अच्छा ऑप्शन है। इसकी सहायता से न्यू मॉम एक बॉटल में अपना दूध निकालकर रख सकती है। इसको बच्चे को भूख लगने पर दिया जा सकता है। आप इसको रेफ्रिजरेटर या फिर रूम टेम्प्रेचर में स्टोर कर सकती हैं। आप चाहें तो मैन्युअल पंप से खुद दूध निकाल सकती हैं। वहीं इलेक्ट्रिक ब्रेस्ट पंप बैट्री से ऑपरेट होता है।

सॉलिड फूड

बच्चे के जन्म के समय न्यू मॉम के दूध से पीला द्रव निकलता है। जिसको कोलोस्ट्रम कहा जाता है। यह बच्चे के लिए हेल्दी माना जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक 6 महीने तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध पिलाना चाहिए। जिससे कि बच्चे को विकास के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व मिल सकें। वहीं 6 महीने बाद बच्चे की डाइट में सॉलिड फूड को शामिल करना चाहिए। इससे भी बच्चे का पेट भरा रहता है। आप डॉक्टर से पूछकर बच्चे को खिचड़ी, दलिया, फल और दाल का पानी देना शुरूकर सकते हैं।

बढ़वा लें मैटरनिटी लीव

सिर्फ हमारे देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के बहुत से देशों में मेटरनिटी लीव दिया जाता है। साल 2017 के मेटरनिटी बेनिफिट एक्ट के अनुसार, भारत में महिलाओं को 26 सप्ताह की मैटरनिटी की लीव ले सकती हैं। ऐसे में आपको इस मौके को मिस नहीं करना चाहिए।

साइनस से राहत पाने के लिए अपनाएं दादी के घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

एजेंसी

बदलते मौसम में खांसी–जुकाम से साथ साइनस की समस्या परेशान करने लगती है। बता दें कि साइनस एक ऐसी समस्या है, जिसमें नाक बंद हो जाती है, नाक से पानी आना, सिर दर्द और नाक के पास सूजन होने लगती है। ऐसे में आप इस समस्या से निजात पाने के लिए कुछ घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। पहले के समय में छोटी–मोटी समस्याओं के लिए दादी–नानी घरेलू नुस्खे अपनाती थीं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको साइनस से राहत दिला सकते हैं।

तुलसी

हर घर में तुलसी का पौधा होता है। आप तुलसी की पत्तियों के इस्तेमाल से सर्दी–जुकाम और तनाव को दूर कर सकते हैं। साथ ही तुलसी इम्यूनिटी मजबूत बनानए और कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करता है। तुलसी साइनस की समस्या से भी राहत दिलाने में मदद करती है। यह सीने में जमे बलगम को निकालती है। क्योंकि तुलसी में एंटी फंगस और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

काली मिर्च

बता दें कि काली मिर्च में कफ नाशक गुण पाए जाते हैं। जिससे खांसी, साइनस और नाक के संक्रमण से राहत मिलती है। काली मिर्च के सेवन से साइनस की सूजन में आराम मिलता है और बलगम सूख जाता है

अदरक

अदरक में पाई जाने वाली खुशबू नाक के बलगम को साफ करने में मददगार होती है और साइनस से जुड़े दर्द को भी कम करती है। अदरक में एंटी बायोटिक्स पाए जाते हैं, जो साइनस के लिए अच्छा होता है।

मिश्री

मिश्री और सौंफ का इस्तेमाल नेचुरल माउथ फ्रेशनर के तौर पर होता है। मिश्री हमारी सेहत के लिए लाभकारी होती है और यह मुंह संबंधी बीमारियों को दूर करती है। मिश्री गले की खराश को शांत करती है और यह तेज खांसी के इलाज के लिए भी अच्छी मानी जाती है।

प्रेग्नेंसी में कमजोर होती हड्डियों में भर जाएगी जान, बस अपनाएं ये सिंपल टिप्स

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। ऐसे में न सिर्फ मां बल्कि गर्भ में पलने वाले बच्चे का भी खास ख्याल रखना होता है। लेकिन इसके बाद भी कई बार महिलालाओं को ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या हो जाती है। ऑस्टियोपोरोसिस के कारण न सिर्फ महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान बल्कि हड्डियों संबंधी समस्या भी हो सकती है। बता दें कि प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अपनी हड्डियों की सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान आप किस तरह से अपनी हड्डियों का ध्यान रख सकती हैं।

फिजिकली एक्टिविटी

गर्भावस्था के दौरान मां और बच्चे दोनों के लिए एक्टिव रहना फायदेमंद होता है। इसलिए आप डॉक्टर की सलाह पर एक्सरसाइज, योग आदि कर सकती हैं। इससे प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली थकान भी कम होगी और मांसपेशियां व हड्डियां भी मजबूत रहेंगी।

कैल्शियम और विटामिन की कमी

प्रेग्नेंसी के दौरान हड्डियों की मजबूती भी काफी जरूरी होती है। इसलिए कैल्शियम और विटामिन–डी युक्त आहार को अपनी डाइट में शामिल करें। अगर कैल्शियम और विटामिन डी की अधिक कमी है, तो आप डॉक्टर की सलाह पर सप्लीमेंट भी ले सकती हैं। लेकिन इस दौरान खुद से दवा या सप्लीमेंट नहीं लेनी चाहिए।

संतुलित आहार लें

प्रेग्नेंसी के दौरान हर महिला को अपने पोषण का खास ख्याल रखना चाहिए। आपको पूरा पोषण मिल सके, इसके लिए अपनी डाइट में फाइबर, हेल्दी फैट्स, कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन और मिनरल से भरपूर फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करें। इससे न सिर्फ मां बल्कि बच्चे की सेहत भी अच्छी रहती है।

स्मोकिंग को कहें ना

वैसे तो स्मोकिंग किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं होती है, लेकिन गर्भावस्था के दौरान स्मोकिंग काफी घातक साबित हो सकती है। इसलिए प्रेग्नेंसी के दौरान स्मोकिंग न करें और सेकेंड हैंड स्मोक से भी दूर रहना चाहिए। स्मोकिंग की वजह से हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। जिससे ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ता है।

वेट मेंटेन करें

बता दें कि प्रेग्नेंसी के दौरान वेट बढ़ाना सामान्य बात होती है। लेकिन जरूरत से ज्यादा वेट बढ़ना खतरनाक साबित हो सकता है इसलिए इस दौरान हेल्दी वेट मेंटेन करना चाहिए और आप चाहें तो डॉक्टर से भी इस बारे में जानकारी ले सकती हैं कि प्रेग्नेंसी के किस स्टेज में कितना वेट बढ़ना चाहिए।

नियमित चेकअप कराएं

आपको डॉक्टर से मिलकर रोजाना अपना चेकअप कराना चाहिए। सही पोश्चर, एक्सरसाइज और डाइट आदि के बारे में डॉक्टर से समय–समय पर जानकारी लेते रहना चाहिए। वहीं किसी भी तरह की परेशानी होने पर डॉक्टर से फौरन संपर्क करें।

प्यार में पड़ने से पहले हर किसी को जाननी चाहिए ये जरूरी बातें, रिश्ता में नहीं आएंगी प्रॉब्लम्स

रिलेशनशिप में आने से पहले और प्यार और रोमांस में पड़ने से पहले कुछ बातों के बारे में जानकारी होना बेहद जरूरी होती है। जिससे कि आगे चलकर रिश्ते में किसी तरह की परेशानी न हो। इसलिए जरूरी है कि रिलेशनशिप में जाने से पहले आपको रिश्ते से जुड़े कुछ वास्तविक पहलुओं को ध्यान में रखना चाहिए। ताकि समय के साथ रिश्ता चलाना आसान हो और आपका एक–दूसरे के साथ टकराव न हो।

समय के साथ बदलता है रिश्ता

जब रिश्ते की शुरूआत होती है, तो दोनों पक्ष रोमांस और एक–दूसरे को प्लीज करना पसंद करते हैं। इस चक्कर में कई बार वह उन चीजों को भी करते हैं, जो असल में उन्हें नहीं पसंद होती हैं। समय के साथ ही यह पक्ष भी एक–दूसरे के सामने आता है। ऐसे में

आपको पहले से मेंटली प्रिपेयर रहना होगा कि समय के साथ आपकी लव लाइफ में बदलाव आएंगे। ऐसे में आने वाले बदलाव की वजह से होने वाली समस्याओं को आपको प्रैक्टिकल अप्रोच के साथ मिलकर सुलझाना पड़ेगा।

फिल्मों जैसा रोमांस

बॉलीवुड फिल्मों का हम सभी पर काफी प्रभाव होता है। आपने भी कई लोगों को फिल्मी लव ट्रिक्स या फिर डायलॉग्स बोलते सुना होगा। लेकिन रियल लाइफ में पर्दे पर दिख रही फिक्शनल स्टोरी जैसे रोमांस की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। आप खुद सोचिए क्या कोई भी लड़की असल जिंदगी में कबीर सिंह जैसा बंदा चाहेगी। या कोई लड़का किसी लड़की के लिए अपना सब कुछ छोड़ने के लिए तैयार होगा। इसलिए यह सब फिल्मों तक ही सीमित रहता है।

पहले से न बनाएं सोच कई कपल ड्रामा, नॉवल या मूवीज के किरदार को आइडल मानकर अपने पार्टनर से भी वैसी उम्मीदें पाल बैठते हैं। लेकिन पहले से सोचकर चलना कि आपका पार्टनर आपके लिए ऐसा करेगा या वैसा करेगा, आपको निराश कर सकता है। क्योंकि जब आप रिश्ते में आएंगे तब एक–दूसरे को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। उसी आपसी समझ के बेस पर आपकी रोमांटिक लाइफ आकार लेगी। जोकि ड्रामा, नॉवल या मूवीज के किरदार से अलग हो सकती है।

रिलेशनशिप में भूलकर भी नहीं करनी चाहिए ऐसी गलतियां, टूट जाएगा रिश्ता

जब दो लोग किसी रिश्ते में बंधते हैं, तो इसका मतलब होता है कि आप एक–दूसरे की हर–अच्छी बुरी आदतों को अपनाते हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी होता है, जब हम लड़ाई होने के बाद अपने पार्टनर की सिर्फ बुरी बातों पर ध्यान देते हैं। ऐसे में अपने रिश्ते को खुशहाल और मजबूत बनाए रखने के लिए कपल में आपसी प्यार, समझ और विश्वास का होना बहुत जरूरी होता है।

हालांकि कई बार रिलेशनशिप में हम कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो रिश्ते में दरार पैदा कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको रिश्ते में कपल द्वारा की जाने वाली कुछ बेवकूफियों के बारे में बताने जा रहे हैं, यह ऐसी गलतियां होती हैं, जो आपके रिश्ते को खराब कर सकती हैं।

कॉल या मैसेज के लिए इंतजार

करना कई बार रिश्ते में एक बड़ा मुद्दा यह बन जाता है कि लड़ाई के बाद कौन पहले कॉल या मैसेज करेगा। लेकिन बता दें कि यह एक बेवकूफी भरा खेल है। जो काफी लोग करते हैं। यह आपके रिश्ते को कमजोर बना सकता है। अगर आप अपने पार्टनर से बात करना चाहते हैं, उनसे प्यार करते हैं तो फिर इंतजार कैसा और क्यों ईगो लेकर आना।

आपके पहल करने से क्या पता आपके पार्टनर को उनकी गलती का एहसास हो जाए। लेकिन अगर आप ऐसा नहीं करते हैं और फोन या मैसेज का इंतजार करते हैं, तो यह आपके रिश्ते में नाराजगी या गलतफहमी पैदा कर सकता है।

आजकल के कपल आमने–सामने बात करने की जगह वॉट्सएप या अन्य दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बात करना पसंद करेत हैं। लेकिन रिश्ते में होने वाली तकरार को सुलझाने के लिए व्हाट्सएप का इस्तेमाल करना बिल्कुल गलत है।

ऐसा इसलिए भी क्योंकि जब आप व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिय प्लेटफॉर्म पर बात करते हैं, तो सामने वाला आपके शब्दों का गलत मतलब निकाल सकता है। जिससे कि आप के बीच गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। इसलिए जब भी पार्टनर से लड़ाई हो, तो आमने–सामने बैठकर मामले को सुलझाएं।

ऐसे बनाएं रिश्ते को खुशहाल

अपने पार्टनर से बात करें, क्योंकि यह किसी भी रिश्ते को सफल बनाने के लिए बेहद जरूरी होता है।

रिश्ते में भरोसा होना बहुत जरूरी होता है। इसलिए एक–दूसरे पर भरोसा करें और सम्मान करें।

समय–समय पर अपने पार्टनर के लिए टाइम निकालें।

पार्टनर से बात करने के साथ उनकी बात सुनें और उनके साथ समय बिताएं।

किसी भी रिश्ते में खुशहाली के लिए सबसे जरूरी होता है कि अपने पार्टनर की गलतियों को माफ करें।

घर पर आसानी से बनाएं मार्केट से अच्छा गरम मसाला, मिलावट से बचेगा परिवार

भारतीय रसोई में आपको कई तरह के मसाले मिल जाएंगे और इन

सभी मसालों का अपना अलग महत्व होता है। पुराने जमाने में महिलाएं खड़े मसाले का इस्तेमाल किया करती थीं। लेकिन समय के साथ बाजार में अलग–अलग तरह के कई मसाले मिलने लगे। जो सब्जी या फिर किसी भी डिश का स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं। पनीर के लिए अलग मसाला और छोले के लिए अलग मसाला, ठीक इसी तरह अलग–अलग डिशेज के लिए अलग मसाला मिलता है।

हालांकि बाजार में नई–नई चीजें मिलती हैं, लेकिन इनमें मिलावट भी बढ़ती जा रही है। कुछ लोग अधिक मुनाफा कमाने के लिए मिलावटी सामान बेचने से गुरेज नहीं करते हैं। ऐसे में अगर आपको भी इस बात का डर रहता है तो आप अपने घर पर आसानी से गरम मसाला बनाकर तैयार कर सकती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गरम मसाला बनाने के कुछ आसान टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप घर पर इसे बना सकती हैं।

गरम मसाला की सामग्री

जीरा– 2 टेबलस्पून
धनिया बीज– 3 टेबलस्पून
हरी इलायची– एक टेबलस्पून
काली मिर्च– एक टेबलस्पून
लौंग– एक टेबलस्पून
दालचीनी– 2–3 टुकड़े
तेज पत्ता– 4–5
जायफल– 1
बड़ी इलायची– 2 से 3
जावित्री– 1–2
सौंफ– एक टेबलस्पून

मसाले भूनें

एक कड़ाही में मीडियम आंच पर सभी मसालों को डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। मसालों को धीरे–धीरे भूनना है, जिससे कि इसकी स्वाद और सुगंध अच्छे से निकल सके। जब मसाले अच्छे से भुन जाएं, तो इनको कड़ाही से निकालकर प्लेट में ठंडा होने के लिए रख दें।

मसालों को पीसें

मसालों को भूनने के बाद इनको ठंडा होने के लिए रख दें। फिर जब यह ठंडे हो जाएं, तो आप इनको बारीक पीस लें। अब पिसे हुए मसाले को छलनी से छान लें और जो बड़े टुकड़े निकले उनको अलग कर दोबारा पीसें।

ऐसे करें स्टोर

मसाला बनाने के बाद जो सबसे जरूरी चीज होती है, वह मसाले को स्टोर करना होता है। आप एक एयरटाइट कंटेनर में गरम मसाले को डालकर रख दीजिए। मसाले का स्वाद और सुगंध लंबे समय तक बरकरार रखने के लिए आप ठंडी और सूखी जगह पर इसको स्टोर करें। वहीं आप चाहें तो इसे फ्रिज में भी स्टोर कर सकती हैं। बता दें कि आप स्वादानुसार मसालों की मात्रा कम या ज्यादा भी रख सकती हैं।

बारिश के मौसम में जल्दी खराब हो जाता है आलू तो स्टोर करते समय अपनाएं ये सावधानियां

बारिश का मौसम भले ही कितना सुहाना क्यों न हो, लेकिन नमी और उमस के कारण कई परेशानियां भी होती हैं। इस मौसम में सब्जियां जल्दी खराब होने लगती हैं और खासकर आलू के सड़ने की संभावना अधिक होती है। ऐसे में अगर महंगा आलू खराब हो जाए, तो हर किसी को बुरा लगता है।

लगभग हर सब्जी में आलू का इस्तेमाल होता है और यह हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है। ऐसे में आलू को सड़ने से बचाने के लिए इनको सही से स्टोर करने की जरूरत होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं।

चेक करें आलू

जब भी आप बाजार से आलू लेने जाएं, तो इन्हें चेक करके लाएं कि कहीं आलू खराब तो नहीं है। अगर कोई आलू खराब दिखता है, तो आप उसको छाटकर अलग कर लें। क्योंकि इसके बैक्टीरिया बाकी आलू को भी खराब कर सकते हैं। ऐसे में आप सावधानी से देखकर आलू लाएं।

ऐसे करें स्टोर

आलू को लंबे समय तक खराब होने से बचाने के लिए आपको इसे सही स्थान पर स्टोर करना चाहिए। आलू को गर्मी, नमी और सीधी धूप वाली जगह पर नहीं रखना चाहिए। हवादार और सूखी जगह पर आलू को फैलाकर रखना चाहिए।

कंटेनर में रखें

आलू को स्टोर करने के लिए कभी भी पॉलिथीन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बल्कि आप स्टोर करने के लिए जालीदार बैग का इस्तेमाल कर सकती हैं। दरअसल, हवादार कंटेनर में आलू रखने से इसके खराब होने की संभावना काफी कम होती है।

किसिक से लकर आई नहीं तक न्यू ईयर चार्टबस्टर सॉन्ग में शामिल, गानों की लिस्ट है हाई-फाई

यह साल जाते–जाते कई ब्लॉकबस्टर फिल्में और बेहतरीन गाने देकर जाएगा। हाल ही में रिलीज हुआ पुष्पा 2 का गाना किसिक ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। तो वहीं स्त्री 2 का गाना आई नहीं भी सभी का मन बहलाया। नैन मटक्का के अलावा न्यू ईयर चार्टबस्टर सॉन्ग लिस्ट में और भी गाने शामिल हैं।

अल्लू अर्जुन ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से पुष्पा 2रू द रूल के गाने किसिक के रिलीज होने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की थी। किसिक गाने के हिंदी लिरिक्स सुनने के बाद फैंस को यह गाना बेहद पसंद आया, तो कुछ नेटिजन्स को नापसंद भी रहा। किसिक गाने में अल्लू अर्जुन के साथ श्रीलीला का धमाकेदार डांस हर किसी को पसंद आया।

नैन मटक्का

बेबी जॉन का गाना श्नैन मटक्काश रिलीज होते ही इस साल के चार्टबस्टर सॉन्ग लिस्ट में शामिल हो गया। नए साल की पार्टी में प्रशंसकों के लिए वरुण धवन और कीर्ति सुरेश का जबर्दस्त गाना नैन मटक्का और भी धमाल मचा देगा। इस गानें में वरुण और कीर्ति के डांस मूव्स देखकर आप खुद को थिरकने से रोक नहीं पाएंगे। गानें की खास बात ये भी है कि इसे फेमस पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने गाया है।

स्त्री 2 का गाना श्आई नहींश आते ही इस साल के चार्टबस्टर सॉन्ग की लिस्ट में शुमार हो चुका है। इस गाने में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव के हुक स्टेप्स प्रशंसकों के बीच काफी प्रसिद्ध हुए। इसके अलावा फिल्म का यह गाना लोगों की जुबां पर आज भी चढ़ा हुआ है। नए साल की पार्टी में यह गाना भी धूम मचा देगा।

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया फिल्म का टाइटल ट्रैक हर किसी को पसंद आया। इस फिल्म में शाहिद के साथ कृति सेनन की जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई। फिल्म का गाना श्तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाश के हुक स्टेप्स प्रशंसकों को बेहद पसंद आए। फिल्म में कहानी के साथ गाने पर भी खूब ध्यान दिया गया है।

पत्नी-बच्चों संग मुंबई में दिखे यश, जानिए किस तरह किया अपने फैंस को खुश

फिल्म 'केजीएफ' से देश भर में मशहूर हुए कन्नड़ फिल्मों के स्टार यश को हाल ही में मुंबई में देखा गया। वह अपनी आने वाली फिल्म 'टॉक्सिकश की शूटिंग के बीच पत्नी राधिका पंडित और बच्चों के साथ मुंबई में नजर आए। यश को मुंबई में देखकर उनके फैंस बहुत खुश हुए। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में यश अपने फैंस से घिरे हुए नजर आए।

फैंस को दी खुशी–खुशी अपनी फोटो यश को देखकर उनके फैंस दीवाने हो गए। उनके फैंस में बड़े से लेकर छोटे बच्चे तक शामिल थे। एक फैन ने तो यश के पैर तक छू लिए। एक नन्हा फैन भी यश के पास आकर खड़ा हो गया जिसके साथ उन्होंने फोटो खिंचवाई। अपने किसी भी फैन को यश ने फोटो लेने से मना नहीं किया। अपने बेटे को गोद में लिए हुए यश अपने फैंस से बड़े प्यार से मिलते हुए नजर आए।

टॉक्सिक फिल्म में होगा दमदार एक्शन

इन दिनों यश अगले साल रिलीज होने वाली फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग में व्यस्त है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में भी केजीएफ की तरह ही दमदार एक्शन दर्शकों को देखने को मिलेगा। यश इस फिल्म में सिर्फ अभिनय नहीं कर रहे हैं वह इसको प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। पिछले दिनों विवाद में आई यश की फिल्मनवंबर माह में ही यश की फिल्म श्टॉक्सिकश विवादों में भी घिरी है। कर्नाटक के पर्यावरण मंत्री ने आरोप लगाया था कि फिल्म के सेट बनाने के लिए बेंगलुरू के हिंदुस्तान मशीन टूल्स परिसर में अवैध रूप से सैकड़ों पेड़ काटे गए। इससे मालमे में सही कारवाई करने की मांग की गई।

यश के साथ कियारा आडवाणी नजर आएंगी फिल्म टॉक्सिक में यश की हीरोइन कियारा आडवाणी हैं। वह इस फिल्म से कन्नड़ फिल्मों में डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म को गीतू मोहनदास निर्देशित कर रही हैं। इस फिल्म में नयनतारा भी नजर आएंगी।

अक्षय कुमार के साथ काम कर चुके सत्यदेव का खुलासा, कहा- आरआरआर के लिए की शूटिंग, लेकिन..

तेलुगु अभिनेता सत्यदेव इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म श्जेबराश की सफलता का आनंद लेकर रहे हैं। वह तेलुगु के अलावा कुछ हिंदी फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। सत्यदेव साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म श्राम सेतुश में बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ भी नजर आ चुके हैं। इस बीच उन्होंने एक दिलचस्प खुलासा किया है कि वह राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर का भी हिस्सा थे और कुछ सीन्स भी शूट किए थे।

आरआरआर में काम करने को लेकर सत्यदेव का खुलासा

तेलुगु अभिनेता सत्य देव अपनी हालिया रिलीज श्जेबराश की सफलता से काफी खुश हैं। पिछले शुक्रवार को स्क्रीन पर आई इस फिल्म को दर्शकों से बढ़िया प्रतिक्रिया मिल रही है, जिससे फिल्म की टीम काफी खुश है। जेबरा की सफलता के दौरान, सत्य देव ने एसएस राजामौली की फिल्म श्आरआरआरश में अपनी भागीदारी के बारे में बात की, जिसमें राम चरण और जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में हैं।

अंतिम कट में नहीं शामिल हुआ सत्यदेव का किरदार

सत्यदेव ने एक दिलचस्प खुलासा करते हुए बताया है कि वो जूनियर एनटीआर और राम चरण की ब्लॉकबस्टर फिल्म श्आरआरआरश का हिस्सा थे और उन्होंने कुछ सीन्स भी शूट किए थे, लेकिन दुर्भाग्य से उनका किरदार फिल्म के अंतिम कट में शामिल नहीं हो पाया। अपने अनुभव के बारे में बताते हुए, सत्य देव ने टीम के साथ काम करने को अविस्मरणीय बताया और राजामौली के प्रति खुलकर तारीफ की है।

सत्यदेव का वर्क फ्रंट

अभिनेता ने कहा कि फिल्म में उनके सीन्स जूनियर एनटीआर के साथ थे, लेकिन उन्हें भी संदेह था कि उनकी भूमिका को पर्दे पर दिखाया जाएगा। हालांकि, पर्दे पर न दिखाई देने के बावजूद अभिनेता ने इतने बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ने को लेकर खुशी जताई है। बात करें सत्यदेव के वर्क फ्रंट की, तो वह श्फुल बॉटलश, श्गरुड चौप्टर 1श के अलावा श्अरबिया कदलीश के नाम से आने वाली वेब सीरीज में भी नजर आएंगे।

माधुरी से लेकर काजोल तक ने,मां के किरदार निभाने से कर दिया इंकार

हाल ही में मल्लिका शेरावत ने फिल्म रॉयल में ईशान खट्टर की मां की भूमिका निभाने से इंकार कर दिया है। मल्लिका के अलावा भी कई अभिनेत्रियां रही हैं, जिन्होंने अपने करियर में मां के किरदार निभाने से इंकार किया है। इसके पीछे अलग अलग तरह की वजहें जिम्मेदार रहीं। जानिए ऐसी ही चार अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने मां के किरदार निभाने से कर दिया इंकार।

ऋचा चड्ढा

एक इंटरव्यू में कुछ साल पहले ऋचा चड्ढा ने बताया था कि वह जब बॉलीवुड बिल्कुल नई थी तब एक कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें ऋतिक की मां का रोल ऑफर किया था। उस समय ऋचा चड्ढा की उम्र लगभग 21 साल रही होगी। इतनी कम उम्र में उन्हें किसी फिल्म में ऋतिक की मां बनना ठीक नहीं लगा। ऐसे में उन्होंने इस रोल को करने से इंकार कर दिया।

फ्लोरा सैनी

फ्लोरा सैनी ने 2018 में फिल्म श्स्त्रीश में स्त्री के किरदार को निभाया था। लेकिन वह श्स्त्री 2श में नजर नहीं आईं। इसकी वजह यह रही कि फ्लोरा फिल्म में श्रद्धा कपूर की मां की भूमिका नहीं निभाना चाहती थीं। एक इंटरव्यू में फ्लोरा कहती हैं, ' स्त्री 2 में स्त्री का किरदार अंत में आता है। साथ ही इसमें उसे श्रद्धा कपूर की मां बताया जाता है। मैं अभी अपने करियर में मां का रोल नहीं करना चाहती हूं। इसलिए मैंने फिल्म नहीं की।श

माधुरी दीक्षित

माधुरी ने वैसे तो फिल्मों में मां के किरदार किए हैं लेकिन एक फिल्म में उन्होंने सोनम कपूर की मां का किरदार करने से इंकार कर दिया था। दरअसल, उन्हें अपना किरदार फिल्म में पसंद नहीं आया इस कारण उन्होंने फिल्म करने से इंकार कर दिया।

काजोल

फिल्म 'गदर' में जो रोल अमीषा पटेल ने निभाया था वह पहले काजोल को ऑफर हुआ था। उन्होंने इस फिल्म को करने से इंकार कर दिया। काजोल ने उस समय बताया था कि यह रोल उनके स्टाइल का नहीं है। जबकि फिल्म में यह एक दमदार किरदार था। बाद में यह अटकलें लगाई गईं कि काजोल को फिल्म में मां का किरदार उस समय नहीं करना था इसलिए उन्होंने यह रोल करने से मना कर दिया।

नागा–शोभिता की होगी 4 दिसंबर को इंटिमेट वेडिंग ? नागार्जुन ने किया खुलासा, अखिल 2025 में करेंगे शादी

नागार्जुन की खुशी सातवें आसमान पर है। उनके दोनों बेटे नागा चौतन्य और अखिल अक्किनेनी जल्द ही शादी करने वाले हैं। नागा चौतन्य ने इस साल अगस्त में शोभिता धुलिपाला से सगाई की थी, जबकि अखिल ने मंगलवार, 26 नवंबर को अपनी जिंदगी के प्यार जैनब रावजी के साथ शादी की।

कैसी होगी नागा–शोभिता की शादी

नागार्जुन ने दोनों शादियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान नागार्जुन ने कहा कि नागा चौतन्य की शोभिता के साथ इंटिमेट वेडिंग होगी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अखिल और जैनब अगले साल शादी के बंधन में बंध जाएंगे।

कहा होगी शोभिता–नागा की शादी

मीडिया रिपोर्ट्स के नागार्जुन ने एक इंटरव्यू मेंव कहा, ५४ दिसंबर आने वाला है। हम अन्नपूर्णा स्टूडियो में शादी की मेजबानी कर रहे हैं, यह पारिवारिक स्टूडियो है, जिसे मेरे पिता ने बनवाया था। हमने इसे एक निजी समारोह के रूप में आयोजित किया था, लेकिन मेहमानों की सूची सीमित करके भी, हम काफी बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद कर रहे हैं। हमारा परिवार बड़ा है, शोभिता का भी परिवार बड़ा है।५

जब अभय को आशीर्वाद के रूप में अमिताभ से मिले ड्राई फ्रूट्स, जानें अभिनेता ने फिर क्या किया

अमिताभ बच्चन के अभिनय के अलावा उनकी शख्सियत की वजह से भी उन्हें काफी पसंद किया जाता है। बॉलीवुड में उनका अपना एक अलग अंदाज है और इंडस्ट्री से जुड़े हर व्यक्ति के पास उन्हें लेकर कोई न कोई कहानी होती है। हाल में फिल्म मुंजा में नजर आए अभिनेता अभय वर्मा ने बिग बी से जुड़ी एक याद साझा की है। इस दौरान उन्होंने बताया कि कैसे अमिताभ ने उन्हें अपनी जेब से कुछ ड्राई फ्रूट्स निकाल कर दिए थे, जिनमें से एक बादाम उन्होंने तब संभाल कर रख लिया था।

अमिताभ ने अभय को दिए थे कुछ मेवे हाल में ही अभय वर्मा हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ एक राउंडटेबल इंटरव्यू में नजर आए। इस दौरान उन्होंने बिग बी के साथ अपनी पहली यादगार मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दिग्गज अभिनेता के आने से पहले ही सेट पर माहौल उत्सुकता से भरा हुआ था। ऐसे में जब बिग बी अंदर आए, तो अभय ने अपनी हाथों को पीठ के पीछे कर खड़े हो गए, जैसे वो स्कूल के हेडमास्टर के सामने खड़े हों। अभिनेता ने कहा कि जब उन्होंने अमिताभ के पैर छूए, तो उन्होंने भी गर्मजोशी के साथ प्रतिक्रिया दी और अपने जेब से कुछ ड्राई फ्रूट्स निकाल कर उन्हें दिए।

बाद में खराब हो गया था अभय द्वारा सहेजा गया बादाम

अभय ने आगे बताया कि उन्होंने इसे आशीर्वाद के रूप में लिया। हालांकि, तब उनके मन में ये विचार आया है कि क्या उन्हें ये खाना चाहिए या संभाल कर रख लेना चाहिए। आखिरकार, उन्होंने अमिताभ के दिए ड्राय फ्रूट्स खा लिए पर उसमें से एक बचा कर रख लिया। अभिनेता ने कहा, ष्मैंने एक बादाम बचा लिया, लेकिन दुख की बात है कि बाद में वह खराब हो गया।ष

अमिताभ–अभय का वर्क फ्रंट

बात करें अभय के वर्क फ्रंट की, तो वो अपनी आगामी फिल्म किंग में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन, सुहाना खान आदि कलाकार भी नजर आने वाले हैं। फिल्म को सुजॉय घोष निर्देशित करने वाले हैं। वहीं, अमिताभ बच्चन इन दिनों अपने लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीजन की मेजबानी करते दिख रहे हैं। इसके अलावा वो जल्द ही सेक्शन 84 में नजर आएंगे।

जब छलका सामंथा का दर्द, बताया कैसे तलाक के बाद ध्वस्त हो गईं जीवन से जुड़ी योजनाएं

सामंथा रूथ प्रभु और नागा चौतन्या ने साल 2021 में तलाक की घोषणा की थी। दोनों ने साल 2017 में शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया था, लेकिन उनका ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं टिक सका। साल 2021 में दोनों ने तलाक ले लिया। तलाक के बाद अभिनेत्री ने अनुपमा चोपड़ा के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि जीवन के लिए उनके द्वारा बनाई गईं सभी योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं। अब उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री तलाक को लेकर बात करती नजर आ रही हैं।

मेरी सभी योजनाएं ध्वस्त हो गईं– सामंथा

अभिनेत्री ने कहा, ष्मेरा मतलब है, 2021 में मेरे निजी जीवन में जो कुछ भी हुआ है, उसे लेकर वास्तव में मुझे कोई उम्मीद नहीं थी। मेरी सभी सावधानीपूर्वक बनाई गई योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, इसलिए मुझे कोई उम्मीद नहीं है। भविष्य में मेरे लिए जो कुछ भी है, मैं उसके लिए तैयार हूं। मैं बस इतना जानती हूं कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। महिलाओं को बहुत अधिक आलोचना सहनी पड़ती हैं हाल ही में, अभिनेत्री ने तलाक के बाद एक महिला को झेलने वाली परिस्थितियों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा,ष्दुर्भाग्य से, हम एक ऐसे समाज में रहते हैं, जो प्रकृति में इतना पितृसत्तात्मक है कि जब भी कुछ गलत होता है, तो एक महिला को बहुत अधिक आलोचना और बहुत अधिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, न केवल ऑनलाइन, बल्कि वास्तविक जीवन में भी।५

मेरे बारे में झूठी बातें फैलाई गईं– सामंथा

अभिनेत्री ने तलाक के बाद हुई आलोचनाओं को लेकर कहा, ष्मेरे बारे में बहुत सी ऐसी बातें कही गईं जो बिल्कुल झूठ थीं। मुझे याद है कि जब चीजें वास्तव में बहुत खराब थीं। मेरे खिलाफ पूरी तरह से झूठ फैलाए जा रहे थे, तब मैंने खुद से यह बातचीत की थी। कई बार ऐसा हुआ जब मैं सामने आकर कहना चाहती थी कि यह सच नहीं है, मैं आपको सच बताती हूं।

मिस यू-पुष्पा 2 के टकराव पर सिद्धार्थ की प्रतिक्रिया, बोले- चिंता मुझे नहीं उन्हें करनी चाहिए

नवंबर के महीने में भुल भैलया 3 और सिंघम अगेन के बॉक्स ऑफिस पर टकराव के बाद अब दिसंबर में भी सितारों के बीच सिनेमाघरों में जंग देखने को मिलने वाली है। हम बात कर रहे हैं अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 द रूल और सिद्धार्थ अभिनीत फिल्म मिस यू की। दोनों ही फिल्में कुछ ही समय के अंतराल पर बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली हैं। इस बीच सिद्धार्थ ने एक प्रेस मीट में इस टकराव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है। अभिनेता ने कहा कि इसकी चिंता पुष्पा 2 के निर्माताओं को करनी चाहिए। सिद्धार्थ का मानना है कि अगर उनकी फिल्म अच्छी होगी, तो दर्शक उसे जरूर पसंद करेंगे। चाहे कोई भी बड़ी फिल्म क्यों न रिलीज हो।

सिद्धार्थ ने क्यों कहा कि उन्हें नहीं है कोई चिंता?

सिद्धार्थ ने कहा, ष्अगर मेरी फिल्म अच्छी होगी, तो उसे दर्शकों से प्यार मिलेगा और वह सिनेमाहॉल में बनी रह सकती है। एक अच्छी फिल्म को लोग छोड़ नहीं सकते, खासकर इस सोशल मीडिया के जमाने में जहां हर फिल्म की चर्चा होती है।५ उन्होंने यह भी कहा कि इस बात की चिंता पुष्पा 2 के निर्माताओं को करनी चाहिए, क्योंकि उनकी फिल्म की सफलता का रास्ता सही फिल्म बनाने पर निर्भर करता है।

इस दिन रिलीज होगी मिस यू

सिद्धार्थ और अशिका रंगनाथ अभिनीत श्मिस यूश एक हल्की–फुल्की रोमांटिक कॉमेडी है, जो 29 नवंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को एक रोलरकोस्टर रोमांटिक कहानी की झलक देता है। इस फिल्म का निर्देशन एन राजशेखर ने किया है। इसमें करणकरण, मारन, बाला सरवनन, अनुपमा और रामा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

पुष्पा 2रू द रूलरू अल्लू अर्जुन का धमाकेदार वापसी

वहीं दूसरी ओर, अल्लू अर्जुन की श्पुष्पा 2रू द रूलश 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। यह 2021 की ब्लॉकबस्टर श्पुष्पारू द राइजश का सीक्वल है, जिसका निर्देशन सुकुमार ने किया है। फिल्म में अल्लू अर्जुन एक बार फिर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में होंगे। फिल्म को लेकर जबर्दस्त माहौल बन चुका है। विदेश में फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म ने उत्तरी अमेरिका में 14 लाख डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है।

निर्देशक के कट कहने के बाद भी अभिनेता करता रहा ये काम, सयानी गुप्ता ने साझा किया बुरा अनुभव

श्फोर मोर शॉट्स प्लीजश, श्मार्गरीटा विद ए स्ट्रॉश और श्इनसाइड एजश में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने हाल ही अपना एक बुरा अनुभव साझा किया है। इसमें उन्होंने सेट से जुड़ा एक परेशान कर देने वाला वाकया बताते हुए कहा कि उनके सह–कलाकार ने निर्देशक के कट कहने के बाद भी किस करना जारी रखा। इस दौरान अभिनेत्री ने महिलाओं के लिए काम करने की जगह को सुरक्षित बनाए जाने को लेकर बात की है।

सीन कट होने के बाद भी अभिनेता ने किस करना रखा जारी

रेडियो नशा से बात करते हुए, सयानी गुप्ता ने कहा कि फिल्म सेट पर इंटिमेसी कोर्डिनेटर्स की जरूरतों को अब प्रमुखता से उठाने की जरूरत है। इसको लेकर उन्होंने कहा कि एक बार एक अभिनेता ने उन्हें निर्देशक के कट करने के बाद भी किस करना जारी रखा। अभिनेत्री ने इसे अभ्रद बताते हुए अभिनेता और प्रोजेक्ट का नाम बताने से इनकार कर दिया। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्होंने साल 2013 में मार्गरीटा विद ए स्ट्रॉ के लिए काम करते हुए उनके लिए इंटिमेट सीन्स को फिल्माना आसान रहा, क्योंकि उनके तकनीकी स्वभाव की वजह से ये अभिनेत्री के लिए आसान बन गया था। अभिनेत्री ने आगे कहा कि इसके बावजूद कई बार लोग इसका गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

जब सयानी को छोटी ड्रेस पहन कर 70 लोगों के सामने लेटना पड़ा इस बातचीत के दौरान अभिनेत्री अपनी फिल्म श्फोर मोर शॉट्स प्लीजश की शूटिंग की याद साझा करते हुए बताया कि इसके सेट पर वह खुद को असहज महसूस कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें एक छोटी सी ड्रेस पहन कर समुंदर किनारे लेटना पड़ा, जबकि तब वहां क्रू के सदस्यों समेत कई लोग उनके सामने खड़े थे। अभिनेत्री ने कहा, ष्मैं उस समय बहुत असुरक्षित महसूस कर रही थी, क्योंकि मेरे सामने करीब 70 लोग खड़े थे।५

सेट पर महिलाओं की सुरक्षा के हों बेहतर इंतजाम

अभिनेत्री ने इसमें आगे बात करते हुए कहा कि सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर सुरक्षा के इंतजाम किए जाने चाहिए। उन्होंने बताया कि एक बार वो शूटिंग के दौरान चाहती थीं कि कोई उनके बगल में शॉल लेकर खड़ा हो, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अभिनेत्री ने कहा,ष्कई बार ऐसा होता है कि हम इतनी जल्दी में शूटिंग करते हैं कि किसी की सुरक्षा किसी के दिमाग में आखिरी चीज भी नहीं होती। कभी–कभी आपकी सीमाएं समझौता कर लेती हैं, जो एक सामान्य मानसिकता है, जिसे विस्तारित करने की जरूरत है।५

बांसुरी नगरी
हिन्दी दैनिक
R.N.I.NO-UPHIN/2023/88833
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक भावना द्वारा नेशनल प्रिंटर्स मोहल्ला भूरे खान, पीलीभीत यूपी से मुद्रित तथा ग्राम व पोस्ट दिहोहाना बीसलपुर पीलीभीत यूपी से प्रकाशित।
संपादक भावना
उप संपादक रिंटू वर्मा
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र पीलीभीत मान्य होगा।